सांध्य दैनिक

# नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-41 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 01 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए,


सु-विचार

*वक्त जो बीत गया, उस पर बात मत कीजिए...!*
*जो वक्त बच गया है, उसे बर्बाद मत कीजिए....!!*
*अज्ञात...*

# किसानों के सम्मान और समृद्धि के लिए सरकार प्रतिबद्ध : सीएम साय

## मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर किसानों के खातों में की 10 हजार 324 करोड़ रुपए की राशि अंतरित

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बिल्हा विकासखण्ड के रहंगी में कृषक उन्नति योजना अंतर्गत आयोजित आदान सहायता राशि वितरण समारोह एवं वृहद किसान सम्मेलन में प्रदेश के 25.28 लाख किसानों के खातों में 10 हजार 324 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का अंतरण किया। इनमें बिलासपुर जिले के 1 लाख 25 हजार 352 किसान शामिल हैं, जिनके खातों में 494.38 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री ने जिले के विकास को नई गति देते हुए 15.99 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण हुए 7 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 247.18 करोड़ रुपए की लागत के 82 विकास कार्यों का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित अन्य अतिथियों का खुमरी और नांगर भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में ह्यकृषक उन्नति योजना का वरदान, छत्तीसगढ़ का हर किसान धनवानह्ल थीम पर आधारित वीडियो का विमोचन भी किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज का दिन किसान भाइयों के सम्मान का दिन है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 25 लाख 28 हजार से अधिक किसानों ने धान बेचा है और कृषक उन्नति योजना के माध्यम से आज 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि किसानों के खातों में अंतरित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान भाई होली का त्योहार अच्छे से मनाएं, इसलिए होली के पूर्व यह राशि प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसान हितैषी सरकार है और किसानों की चिंता करते हुए उनके लिए प्रगतिशील योजनाएं लाई गई हैं इस बार किसानों को बारदाने की कोई समस्या नहीं हुई और किसानों के खातों में राशि भी समय पर पहुंची है। उन्होंने कहा कि सरकार ने शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को ऋण लेने की सुविधा प्रदान की है और आज लाखों किसान किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसानों को धान की सर्वाधिक कीमत देने की व्यवस्था की गई है, जो अन्यत्र कहीं नहीं है।

श्री साय ने कहा कि भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में भी राशि अंतरित की जा रही है। खाद में सब्सिडी, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार सहित किसानों की समृद्धि के लिए हर स्तर पर कार्य किया जा रहा है तथा सहकारिता को लाभकारी बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों को 6000 रुपए सम्मान निधि की राशि प्रदान की जा रही है। इस वर्ष के बजट में कृषि के लिए 13 हजार करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किसानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता को दर्शाता है। किसानों को खेतों में पर्याप्त पानी मिले, इसके लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नक्सलवाद बस्तर क्षेत्र से समाप्ति की ओर है और इस दिशा में हम सफल हो रहे हैं। निश्चित रूप से मार्च 2026 तक प्रधानमंत्री विष्णुदेव साय और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह का संकल्प पूरा होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संसाधनों से परिपूर्ण राज्य है और खनिजों का समुचित दोहन कर राज्य को विकास के पथ पर आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। राज्य में पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए एनडीडीबी से समझौता किया गया है और अब छत्तीसगढ़ में भी दुग्ध क्रांति आने वाली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सभी गारंटियों को पूरा करने के लिए पूरी तत्परता से कार्य किया है और विगत दो वर्षों के कायर्काल में

अधिकांश वादों को पूरा कर लिया गया है। राज्य में सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 18 लाख गरीब परिवारों को आवास स्वीकृत किए गए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया गया है तथा प्रशासन में पारदशिर्ता लाने के लिए ई-ऑफिस प्रणाली लागू की गई है। मुख्यमंत्री ने सभी की सहभागिता से विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के संकल्प को दोहराया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने चकरभाटा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन करने, मंगला में माध्यमिक शाला को हाई स्कूल में उन्नयन तथा रहंगी के खेल मैदान में बाउंड्रीवॉल एवं स्टेज निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने सतनामी समाज के सामुदायिक भवन के लिए 50 लाख रुपए तथा पत्थरखान में आदिवासी समाज के सामुदायिक भवन के लिए 50 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की।

कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि उन्नति योजना का लाभ देने के लिए मुख्यमंत्री किसानों के बीच आए हैं, यह बहुत ही ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने 10 हजार 300 करोड़ रुपए से अधिक की राशि किसानों के खातों में सीधे अंतरित की है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हर साल किसानों के खातों में धान की राशि अंतरित की जा रही है। उन्होंने किसानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि धान से अधिक लाभ दलहन एवं तिलहन फसलों के उत्पादन में है और किसानों को फसल विविधीकरण अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेती-किसानी में नवाचार और परिवर्तन से ही किसानों के जीवन में समृद्धि आएगी। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन एवं मत्स्यपालन को बढ़ावा देने के लिए भी कायर्योजना बनाकर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने किसानों को मिश्रित कृषि तथा जैविक खेती को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया तथा राशि अंतरित करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने किसानों का स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय किसानों के दर्द और मेहनत को समझते हैं और होली से पहले किसानों की मेहनत और पसीने की सौगात देने के लिए आज उनके बीच उपस्थित हुए हैं। अन्नदाताओं की मेहनत के कारण ही छत्तीसगढ़ खुशहाल है। विगत तीन वर्षों में चार लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी हुई है तथा 1 लाख 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि किसानों के खातों में अंतरित की गई है। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में सड़क, सिंचाई सहित विकास के सभी आयामों में बेहतर कार्य हुआ है और विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना के साथ प्रदेश निरंतर आगे बढ़ रहा है।

कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शाहला निगार ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत किसानों को आदान सहायता प्रदान की जाती है, जिसका उद्देश्य उनकी आजीविका को सुदृढ़ करना और आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाना है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 में 25 लाख से अधिक किसानों को 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए किसानों को धान के साथ दलहन एवं तिलहन फसलों की ओर प्रोत्साहित किया गया है।

### सीएम से संवाद कर किसानों ने जताया आभार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वर्चुअली जुड़कर प्रदेश के किसान हितग्राहियों से संवाद किया। जगदलपुर की महिला हितग्राही बसंती कश्यप ने बताया कि उनके खाते में 36 हजार रुपए की राशि आई है, जिससे वे होली का त्योहार अच्छे से मनाएंगे। कोरबा जिले के पहाड़ी कोरवा हितग्राही सुखन साय ने बताया कि उन्होंने 73 क्विंटल धान बेचा था और 53 हजार रुपए की राशि प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि इस राशि को वे घर बनाने में खर्च करेंगे। जांजगीर जिले के किसान समर्थ सिंह ने बताया कि उन्हें 1 लाख 41 हजार रुपए अंतर की राशि मिली है, जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को धन्यवाद दिया।

### मुख्यमंत्री ने विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का किया निरीक्षण

कार्यक्रम में विधायक अमर अग्रवाल, सुशांत शुक्ला, क्रेडा अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, पूर्व विधायक डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी, छत्तीसगढ़ राज्य पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष राजा पाण्डेय, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित के अध्यक्ष रजनीश सिंह, महापौर श्रीमती पूजा विधानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शाहला निगार, संचालक कृषि राहुल देव, कमिश्नर सुनील जैन, आईजी रामगोपाल गर्ग, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह, कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

## सीएम से नीति आयोग उपाध्यक्ष मिश्रा ने की मुलाकात

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

*मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से रिटायर्ड IAS राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा ने सौजन्य भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। श्री मिश्रा ने कहा कि प्रदेश के विकास और जनकल्याण के प्रति मुख्यमंत्री श्री साय का संकल्प सदैव प्रेरणादायी है।*

# भिलाई जिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी घोषित

**राजनीति**

अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर द्वारा प्रस्तावित कार्यकारिणी को प्रदेश अध्यक्ष की हरी झंडी

कार्यकारिणी में एक कोषाध्यक्ष, 12 उपाध्यक्ष, 18 महामंत्री, 20 सचिव एवं 10 कार्यकारिणी सदस्यों को मिली जगह,

सभी पदाधिकारी गंभीरता से जनहित के मुद्दों को लेकर संघर्ष करेंगे : मुकेश चंद्राकर

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर द्वारा प्रस्तावित जिला कायर्कारिणी की सूची को छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने अनुमोदित कर दिया है। कार्यकारिणी में एक कोषाध्यक्ष, 12 उपाध्यक्ष, 18 महामंत्री, 20 सचिव एवं 10 कार्यकारिणी सदस्यों को जगह मिली है। प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू ने शनिवार, 28 फरवरी को यह सूची जारी की है।

अध्यक्ष श्री चंद्राकर ने बताया कि उनकी कार्यकारिणी में कोषाध्यक्ष के पद पर सुजीत कुमार साहू को न्युक्त किया गया है।उपाध्यक्ष पद पर मेरिक सिंह, मुकुंद भाऊ, राधेकांत मिश्रा, नंदकुमार कश्यप, गिरी राव, कमलेश देवांगन, टेकराम डड़सेना, डी कामराजू, श्रीमती तुलसी पटेल, पंकज पाल, अशोक साहू एवं केशव चौबे को जिम्मेदारी दी गई है। महामंत्री पद पर राजेश साहू, भूपेंद्र यादव, लालचंद वर्मा, प्रभाकर जनबंधु, श्रीमती संगीता मिश्रा, राजेंद्र रजक, दर्शन सिंह, मोहम्मद रफीक, श्रीमती भुवनेश्वरी रानी, राजेश चौधरी, शमशेर सिद्दीकी, इमरान अंसारी, निरंजन बिसाई, संजय विश्वकर्मा, सूर्यकांत सिन्हा, आनंद डोगरे, सुमित पवार और विनोद यादव को शामिल किया गया है।

श्री चंद्राकर ने बताया कि सचिव पद पर शिव सिंह, राजकुमार देशमुख, श्रीमती तनु चंद्राकर, श्रीमती कीर्ति लता वर्मा, पवन कोसरे, चुम्मन देशमुख, अमृत पाल सिंह, दुर्गेश ताम्रकार, श्रीमती नेहा साहू, अली हुसैन सिद्दीकी, स्वप्निल जैन, आशीष गौतम, श्रीमती शिखा राय सिंह, डी नारायण, दीपांशु वर्मा, आशीष शुक्ला, समीर साहू, शोएब मोहम्मद, श्रीमती सोनिया देवांगन और श्रीमती अंजू सिन्हा, कार्यकारिणी सदस्यों में प्रमोद प्रभाकर, अरविंद ताम्रकार, श्रीमती अनुसूईया मरकाम, धर्मेंद्र कृष्णानी, सुश्री सोसन लोगन, श्रीमती विभा शर्मा, गौरव श्रीवास्तव, जितेश बंजारे, आशीष गुप्ता और श्रीमती गिलौरी एंथोनी को शामिल किया गया है।

अध्यक्ष श्री चंद्राकर ने कार्यकारिणी में शामिल सभी पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है।उनका कहना है कि सभी पदाधिकारी गंभीरता से जनहित के मुद्दों को लेकर संघर्ष करेंगे। हम सभी अपने वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे।

**आयोजन** अजय भसीन मेला संयोजक, भोजराज सिन्हा, सरोजिनी पाणिग्रही सह-संयोजक नियुक्त

# इस्पात नगरी भिलाई में पहली बार स्वदेशी मेला

**स्वदेशी मेले की तैयारी शुरु**

स्वागत समिति में दिनकर बसौटीया अध्यक्ष, और दिव्या भसीन मक्कड़ सचिव नियुक्त

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

स्वदेशी जागरण फाउंडेशन की इकाई, भारतीय विपणन विकास केंद्र द्वारा इस्पात नगरी भिलाई में पहली बार स्वदेशी मेले का आयोजन जयंती स्टेडियम के सामने मैदान मे किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों, कुटीर उद्योगों एवं स्वदेशी उद्यमों को प्रोत्साहन देना तथा आमजन को आत्मनिर्भर भारत की भावना से जोड़ना है।

मेले में 22 राज्यों के स्वदेशी उत्पाद, हस्तशिल्प सामग्री, घरेलू उपयोग की वस्तुएँ, जैविक उत्पाद, पारंपरिक खान-पान एवं स्थानीय उद्यमियों के स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहेंगे। यह आयोजन न केवल व्यापार को बढ़ावा देगा, बल्कि स्थानीय कारीगरों और लघु उद्योगों को एक सशक्त मंच भी प्रदान करेगा। आयोजकों के अनुसार, मेले का मुख्य उद्देश्य 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत'स्वावलम्बी भारत की संकल्पना को साकार करना है, ताकि स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के प्रति समाज में जागरूकता बढ़े तथा भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले। इस स्वदेशी मेले की तैयारीयो को लेकर आज एक विशेष बैठक आयोजित की गई थी ।यह बैठक पंजाबी पैलेस सेक्टर 5 में सभी कार्यकर्ताओं व अतिथियों के साथ संपन्न हुई।

मुख्य अतिथि के रूप में छ ग राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा उपस्थित हुए। मुख्य रूप से स्वदेशी मेला प्रान्त प्रमुख अमर बंसल, भारतीय विपणन विकास केंद्र प्रबंधक एवम प्रान्त संपर्क प्रमुख सुब्रत चाकी ,प्रान्त प्रमुख संघर्ष वाहिनी दिनेश पाटिल, आर जगत, व छ ग चेम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन व चेम्बर के पदाधिकारि उपस्थित थे। बैठक में विशेष घोषणा की गई चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन को स्वदेशी मेला का संयोजक नियुक्त किया गया। मेला सहसंयोजक के रूप में भोजराज सिन्हा व सरोजनी पाणिग्रही का नाम घोषित किया गया। स्वागत समिति के अध्यक्ष दिनकर बासोतिया नियुक्त किये गए।

संयोजक अजय भसीन ने बताया कि यह स्वदेशी मेला 13 से 19 मार्च को जयंती स्टेडियम के पास सिविक सेंटर में आयोजित किया जा रहा है ।भिलाई में पहली बार यह मेला लोगो के लिए आकर्षण का केंद्र होगा। भसीन ने सभी नागरिकों, व्यापारियों एवं युवाओं से इस यवस्वदेशी मेले में सहभागिता कर स्वदेशी अभियान को सशक्त बनाने की अपील की गई है। यह जानकारी मीडिया प्रभारी शंकर सचदेव ने दी।

## निकिता मिलिंद ने जताया बाकलीवाल का जताया आभार

**दुर्ग।** इस नियुक्ति पर नवनियुक्त महामंत्री निकिता मिलिंद ने कहा कि वरिष्ठ नेतृत्व का हृदय से आभार, जिन्होंने मुझे महामंत्री के रूप में संगठन की सेवा का अवसर दिया।

मैं विशेष रूप धीरज बाकलीवाल का आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने मुझ पर विश्वास जताया। यह पद मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ जिम्मेदारी भी है। मैं पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने एवं कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करूंगी।

# न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाईनगर के चुनाव को लेकर सदस्यों में उत्साह, शांतिपूर्ण मतदान जारी

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर के द्विवार्षिक चुनाव को लेकर आज जबरदस्त उत्साह का वातावरण है। 12 .15 बजे तक 58 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया था। दोपहर 2 बजे तक मतदान की समय सीमा है। हार जीत को लेकर सभी प्रत्याशी आश्वस्त नजर आ रहे हैं। अध्यक्ष पद के लिए पंचकोणिय मुकाबला है। अध्यक्ष पद के लिए खिलावन सिंह चौहान, जेएम तांडी, निलेश त्रिपाठी, रत्नाकर अलवा और अनिल गुप्ता चुनावी मैदान में जोर आजमाईश कर रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक कुल 74 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे।

**खास खबर**

## समाज सेवा की राह पर सक्रिय इंद्रजीत, धार्मिक व सामाजिक आयोजनों से जनविश्वास मजबूत

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

शहर में सामाजिक सरोकार, धार्मिक आस्था और जनसंवाद को जोड़ते हुए इंद्रजीत सिंह छोटू लगातार समाज के बीच सक्रिय भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजनों में उनकी सहभागिता केवल उपस्थिति तक सीमित नहीं रही, बल्कि समाज को जोड़ने, संवाद बढ़ाने और जनसमस्याओं को समझने का माध्यम बनती दिखी।

कोहका, सनातन नगर में आयोजित श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव से लेकर नेहरू नगर में नवधा रामायण कथा, जवाहर नगर केम्प-1 में माँ सिन्धु पाटराणी पूजा महोत्सव एवं ठाकुरानी माँ जात्रा जैसे आयोजनों में इंद्रजीत सिंह छोटू की उपस्थिति ने आयोजकों और श्रद्धालुओं को एक नई ऊर्जा दी। उन्होंने प्रत्येक मंच से समाज के सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया।

धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ सामाजिक संवाद को भी उन्होंने समान महत्व दिया। कोहका स्थित सर्व समाज कल्याण समिति के कार्यालय में गणमान्य नागरिकों, वरिष्ठजनों, मातृशक्ति और युवाओं से हुए आत्मीय संवाद में क्षेत्रीय समस्याओं, सुझावों और जरूरतों को गंभीरता से सुना गया। इंद्रजीत सिंह छोटू ने भरोसा दिलाया कि समाज की आवाज को प्राथमिकता के साथ संबंधित मंचों तक पहुंचाया जाएगा और समाधान के लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा।

आर्य नगर, शीतला तालाब में आयोजित श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह में भाग लेकर उन्होंने आध्यात्मिक चेतना के साथ सामाजिक संस्कारों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। ऐसे आयोजनों को उन्होंने समाज को जोड़ने और नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम बताया। राजनीतिक गलियारों में भी यह चर्चा है कि इंद्रजीत सिंह छोटू धीरे-धीरे एक सामाजिक सेतु की भूमिका में उभर रहे हैं, जहां धर्म, समाज और जनहित एक साझा मंच पर दिखाई देता है। उनका निरंतर जनसंपर्क और सामाजिक सहभागिता यह संकेत देती है कि आने वाले समय में वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को और व्यापक रूप देने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। भिलाई में उनके इन प्रयासों को समाज के विभिन्न वर्गों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, और यही जनविश्वास उनके सामाजिक कद को लगातार मजबूत करता नजर आ रहा है।

# भिलाई-3 में शहीद कप फ्लड लाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का गरिमामय समापन

### सांसद विजय बघेल और युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल ने खिलाड़ियों का बढ़ाया मनोबल

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-3*

एचएम जन सेवा समिति के तत्वावधान में वीर शहीदों की स्मृति में आयोजित शहीद कप फ्लड लाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समापन 28 फरवरी को पदुम नगर, भिलाई-3 में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन 21 फरवरी से 28 फरवरी तक चला, जिसमें क्षेत्र के खिलाड़ियों एवं नागरिकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि विजय बघेल (सांसद, दुर्ग लोकसभा) थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं विशिष्ट उपस्थिति में राहुल टिकरिया (भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष), राकेश पाण्डेय (खादी ग्रामोद्योग, राज्य मंत्री दर्जा), पुरुषोत्तम देवांगन (भाजपा जिलाध्यक्ष), भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष स्वीटी कोशिश, एडीशनल एसपी सुखनंदन राठौर, सीएसपी सत्य प्रकाश, श्रीमती तुलसी साहू, श्रीमती सुषमा जेठानी (महामंत्री भाजपा जिला भिलाई), गौरीशंकर, परमजीत सिंह, दिनेश पाठक, सुनील पटेल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत वीर शहीदों के तेल चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। राष्ट्रीय गीत एवं राजकीय गीत के पश्चात टॉस कर क्रिकेट मैच प्रारंभ किया गया। सांसद विजय बघेल ने स्वयं मैदान में उतरकर चौके-छक्के लगाकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

अपने उद्बोधन में सांसद विजय बघेल ने देश के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि हमारे सैनिक सीमाओं पर कठिन परिस्थितियों— भीषण गर्मी और बर्फीली ठंड—में डटे रहते हैं, जिसके कारण देशवासी सुरक्षित जीवन व्यतीत कर पा रहे हैं। उन्होंने शहीद परिवारों की माताओं के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया।

राकेश पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत के सपनों को साकार करने की दिशा में प्रेरणादायी कदम है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं में राष्ट्रभक्ति और मनोबल की भावना सुदृढ़ होती है।

राहुल टिकरिया ने शहीद परिवारों के सम्मान को सच्ची राष्ट्रसेवा बताते हुए आयोजन समिति एवं युवाओं को बधाई दी। इस अवसर पर शहीदों के परिजनों को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। पूर्व सैनिक राकेश निषाद एवं पवन कुमार का भी सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में जिन वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, उनमें प्रमुख रूप से— शहीद आकाश राव गिरपुंजे, शहीद राजेन्द्र पवार (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला गरियाबंद), शहीद नजीर बक्स (सहायक उप निरीक्षक, जिला कांकेर), शहीद बेलसाजर तिर्की (निरीक्षक, जिला कांकेर), शहीद प्रफुल्ल शुक्ला (आर-430 प्रथम वाहिनी छसबल भिलाई), शहीद राणा प्रताप सिंह, शहीद विश्राम मांझी, शहीद किशन चुरेन्द्र, शहीद दलबहादुर, शहीद जितेन्द्र चतुर्वेदी, शहीद सियाराम सिंह, शहीद मनोज वर्मा, शहीद संजय राय, शहीद युवराज सिंह, शहीद उमेश कुमार साहू, शहीद हीराधर प्रसाद, शहीद डी. राजा राव तथा शहीद राजेश्वर मांझी शामिल रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन लोकेश पाण्डेय एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। आयोजन ने न केवल खेल भावना को प्रोत्साहित किया, बल्कि शहीदों की स्मृति को जीवंत रखते हुए राष्ट्रभक्ति का संदेश भी दिया।

## दुर्ग पुलिस अलर्ट : एसएसपी विजय अग्रवाल ने ली उच्च स्तरीय बैठक

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

आगामी होली पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस कंट्रोल रूम, सेक्टर-06 भिलाई में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल द्वारा जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना/चौकी प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

एसएसपी विजय अग्रवाल ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक थाना क्षेत्र में शांति समिति की बैठक आयोजित कर आमजन को आवश्यक समझाइश दी जाए। पूर्व वर्षों में होली के दौरान हुई घटनाओं के आधार पर चिन्हित संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने को कहा गया। विशेष रूप से संवेदनशील बस्तियों, पॉश कॉलोनियों, भीड़-भाड़ वाले बाजारों और प्रमुख मार्गों पर फिक्स पिकेट स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी, स्टंटबाजी, नशे की हालत में वाहन चलाने और सड़कों पर हुड़दंग करने वालों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही क्षेत्र के गुण्डा, निगरानी बदमाश और असामाजिक तत्वों पर लगातार निगरानी रखते हुए प्रतिबंधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पर्याप्त संख्या में पैदल पेट्रोलिंग और बाइक पेट्रोलिंग पार्टियां तैनात की जाएंगी। पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सतत भ्रमण कर स्थिति पर नजर रखें और किसी भी प्रकार की अशांति की स्थिति में त्वरित कार्रवाई करें।

इसके अलावा, जिले में लंबित अपराध, चालान, मर्ग और शिकायतों के शीघ्र निराकरण के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए गए, ताकि होली पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति सुदृढ़ बनी रहे। बैठक के समन्वय और सुरक्षा योजना के क्रियान्वयन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऋचा मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ममता देवांगन सहित समस्त राजपत्रित अधिकारी, रक्षित निरीक्षक दुर्ग और सभी थाना/चौकी प्रभारी उपस्थित रहे। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे होली पर्व को शांति, सौहार्द और भाईचारे के वातावरण में मनाएं।

# भाजपा के नए जिला कार्यालय के लिए जमीन की तैयारी, तहसील कार्यालय ने जारी की उद्घोषणा

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बढ़ते कुनबे और सांगठनिक गतिविधियों के विस्तार को देखते हुए अब जिले में पार्टी के नए और भव्य भवन के निर्माण की कवायद तेज हो गई है। वतर्मान में मनसुख लाल प्रागजी पेट्रोल पंप के समीप स्थित भाजपा का जिला कार्यालय अब छोटा पड़ने लगा है, जिसके कारण शहर के कौरिनभाठा क्षेत्र में नई जमीन के आवंटन के लिए आवेदन किया गया है।

### प्रशासन ने मांगी आपत्तियां

कार्यालय तहसीलदार एवं व्यवस्थापक, राजगामी सम्पदा राजनांदगांव द्वारा इस संबंध में एक सार्वजनिक उद्घोषणा जारी की गई है। विज्ञापन के अनुसार, प्रदेश अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ की ओर से जिला अध्यक्ष ने कलेक्टर राजनांदगांव के समक्ष जिला भाजपा कार्यालय के भवन निर्माण हेतु भूमि आवंटन का आवेदन प्रस्तुत किया था।

### प्रस्तावित जमीन का विवरण

भाजपा ने शहर के कृष्णा कुंज के समीप, ग्राम कौरिनभाठा (प.ह.नं. 38) में जमीन की मांग की है। प्रस्तावित भूमि का विवरण इस प्रकार हैः खसरा नंबरः 171/1 का हिस्सा, क्षेत्रफलः 112 \times 90 = 10,080 वगर्फीट (0.0936 हेक्टेयर), 5 मार्च तक का समय, तहसीलदार कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार, यदि इस भूमि आवंटन को लेकर किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति है, तो वे स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से 05 मार्च 2026 तक लिखित में अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

### क्यों पड़ी नए भवन की जरूरत?

पार्टी सूत्रों के अनुसार, राजनांदगांव भाजपा का वतर्मान कार्यालय जो कि मनसुख लाल प्रागजी पेट्रोल पंप के पास स्थित है, वहां जगह का अभाव महसूस किया जा रहा है। बड़े कार्यक्रमों, बैठकों और कार्यकर्ताओं की बढ़ती संख्या के लिहाज से वतर्मान परिसर पर्याप्त नहीं है। नया कार्यालय बनने से पार्टी की भविष्य की गतिविधियों के लिए सुव्यवस्थित और आधुनिक बुनियादी ढांचा उपलब्ध हो सकेगा।

### विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने दी शानदार प्रस्तुति

# गजल व गीत गायक मास्टर मदन को समर्पित श्रुति मंडल का हुआ आयोजन

*नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़*

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. (डॉ.) लवली शर्मा के मुख्य आतिथ्य में श्रुति मंडल का आयोजन संपन्न हुआ। यह संगीतमय संध्या भारत के स्वतंत्रता-पूर्व युग के विलक्षण ग़जल एवं गीत गायक मास्टर मदन को समर्पित रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ मास्टर मदन के संक्षिप्त किंतु प्रभावशाली जीवन-वृत्त पर प्रकाश डालते हुए किया गया। उनके अद्वितीय गायन कौशल और अल्पायु में संगीत जगत को दिए गए अमूल्य योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला में प्रथम प्रस्तुति कथक नृत्य की रही जिसे साराक्षी सक्सेना ने भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। संगत में शफीक हुसैन (सारंगी), विवेक देशमुख (तबला), रोशन साहू (गायन) एवं मौलश्री सिंह (पढ़ंत) की सशक्त सहभागिता रही। द्वितीय प्रस्तुति भरतनाट्यम नृत्य की रही जिसे शोधार्थी बिन्दु नायर ने उत्कृष्ट अभिव्यक्ति और सधी हुई मुद्राओं के साथ प्रस्तुत कर दशर्कों की

तालियां बटोरी। तृतीय प्रस्तुति ओड़िसी नृत्य पर आधारित नृत्य-नाटिका श्री कृष्णा तुभ्यं नमः की रही। इसका निर्देशन ओड़िसी विभाग के सहायक प्राध्यापक सुशांत कुमार दास ने किया।

इस प्रस्तुति में सुशांत कुमार दास, पूनम गुप्ता, हिमानी सारथी, अनन्या इक्का, दुर्गेश्वरी पाल, सुधा योजन, जया निर्मलकर, प्रज्ञा प्रसाद एवं हिना दास ने सामूहिक रूप से मनोहारी प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति सुगम संगीत की रही जिसे संगीत संकाय के अधिष्ठाता प्रो. डॉ. नमन दत्त ने प्रस्तुत किया। संगत में डॉ. शिवनारायण मोरे (तबला), सुगम शिवाले (हारमोनियम) एवं चिन्मय निषाद (गिटार) उपस्थित रहे। उनकी प्रस्तुति ने सभागार को संगीतमय भाव से सराबोर कर दिया। सभी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और कलाकारों को भरपूर तालियां मिली। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो.(डॉ.) लवली शर्मा ने कहा कि श्रुति मंडल जैसे आयोजनों से विद्याथिर्यो को अपनी प्रतिभा निखारने का सशक्त मंच मिलता है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि जिस उत्साह और समर्पण के साथ वे कार्यक्रमों में सहभागिता कर रहे हैं वह अत्यंत प्रशंसनीय है।

उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर अभ्यास और उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया तथा इस सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन प्रियांशु पाण्डेय ने किया वहीं श्रद्धा-सुमन वाचन गुंजन बड़गे द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव वेंकट रमन गुड़े, श्रुति मंडल समिति की संयोजक डॉ. दीपशिखा पटेल, सदस्यगण डॉ. दिवाकर कश्यप व डॉ. हरिओम हरि सहित शिक्षकगण व विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

## शहर में अवैध प्लाटिंग का जाल : रेरा अप्रूव्ड कॉलोनियों के नाम पर भू-माफिया कर रहे खेल, प्रशासन मौन

*नरेन्द्र डाकलिया / राजनांदगांव*

शहर और उससे लगे ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों अवैध प्लाटिंग का धंधा जोरों पर है। भू-माफिया इतने बेखौफ हो चुके हैं कि वे वैध और रेरा से मान्यता प्राप्त कॉलोनियों के नाम का सहारा लेकर उनके आस-पास की जमीनों पर अवैध कब्जा और प्लाटिंग कर रहे हैं। ताजा मामला 'अभिनंदन कॉलोनी' के पास का है, जहां भू-माफियाओं द्वारा कॉलोनी के नाम का दुरुपयोग कर लोगों को गुमराह किया जा रहा है।

**निगम की सुस्ती से बढ़ा भू-माफियाओं का हौसला :** हैरानी की बात यह है कि जिस काम को रोकने की जिम्मेदारी नगर निगम और जिला प्रशासन की है, वह काम अब रहवासियों को खुद करना पड़ रहा है। अभिनंदन कॉलोनी प्रबंधन समिति और वहां के निवासियों ने कॉलोनी के गेट पर बाकायदा 'सार्वजनिक चेतावनी' का बोर्ड लगाया है। रहवासियों का आरोप है कि प्रशासन सिर्फ नोटिस देने और जुर्माना वसूलने की खानापूर्ति करता है। माफिया जुर्माना भरकर फिर से अवैध काम शुरू कर देते हैं, जिससे शहर का व्यवस्थित विकास प्रभावित हो रहा है।

**सस्ते प्लॉट के चक्कर में फंस रही है आम जनता:** भू-माफिया लोगों को कम दाम और सुविधाओं का झांसा देकर अवैध प्लॉट बेच रहे हैं। सार्वजनिक सूचना में स्पष्ट किया गया है कि इन अवैध भू-खंडों को खरीदने वाले लोगों को भविष्य में रोड, बिजली, पानी और नाली जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसना पड़ेगा। साथ ही, इन पर कभी भी कानूनी डंडा चल सकता है जिसकी पूरी जिम्मेदारी खरीदार की होगी।

**प्रशासनिक मिलीभगत के लग रहे आरोप :** स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शहर में धड़ल्ले से हो रहे इस अवैध विस्तार के पीछे अधिकारियों की मिलीभगत या घोर निष्क्रियता है। पार्किंग और अन्य जन-सुविधाओं के नियमों को ताक पर रखकर कॉलोनियां काटी जा रही हैं।

# 'मोर माटी, मोर मान' की थीम पर राजधानी में होगा भव्य प्रवासी छत्तीसगढ़िया सम्मेलन

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज विधानसभा स्थित समिति कक्ष में प्रवासी छत्तीसगढ़िया सम्मेलन की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित हुई। बैठक में जनसंपर्क विभाग के सचिव रोहित यादव और आयुक्त डॉ. रवि मित्तल ने तैयारियों की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में संबंधित विभागों के प्रमुख सचिव, सचिव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि रायपुर साहित्य महोत्सव की तरह ही नवा रायपुर में आगामी 27 और 28 मार्च को भव्य प्रवासी छत्तीसगढ़िया सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन में विदेशों में रह रहे छत्तीसगढ़ के निवासियों को आमंत्रित किया जाएगा। इसके लिए पोर्टल भी तैयार किया गया है, इस पोर्टल के माध्यम से पंजीयन किया जा रहा है। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ी लोक परंपरा व संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

मुख्य सचिव विकासशील ने कहा कि विदेशों में रह रहे छत्तीसगढ़ वासियों को यहां के लोगों से जोड़ने की यह पहल सराहनीय है। उन्होंने प्रवासी छत्तीसगढ़िया सम्मेलन के आयोजन को राज्य और प्रवासियों दोनों के लिए एक बेहतर अवसर बताया। मुख्य सचिव ने बैठक में कहा कि समिट में आने वाले प्रवासी छत्तीसगढ़ वासियों को उनकी आवश्यकतानुसार सभी सुविधाएँ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने सम्मेलन के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को कार्यक्रम में सहयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने विदेशों में रह रहे छत्तीसगढ़ के ऐसे लोग जो अपने कार्य क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ा रहे हैं उन्हें सम्मानित करने की भी बात कही। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि सम्मेलन में आने वाले विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ छत्तीसगढ़ियों से यहां के युवाओं का मार्गदर्शन सत्र भी रखा जाये जिनसे उन्हें लाभ प्राप्त हो।

विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हुए प्रवासियों को यहां निवेश के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इस मौके पर यदि प्रवासी नागरिक किसी भी सेक्टर में निवेश अथवा कार्य करने की सहमति प्रदान करते हैं तो उनसे एमओयू भी किया जाएगा। प्रवासी छत्तीसगढ़िया सम्मेलन के दौरान छत्तीसगढ़ी व्यंजन भी परोसा जाएगा।

बैठक में छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक, आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, स्टेट कैपिटल रीजन के सीईओ अंकित आनंद, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, सचिव गृह श्रीमती नेहा चंपावत, ग्रामोद्योग विभाग के सचिव श्याम धावड़े, चंदन कुमार, संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

**खास खबर**

## 120 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने विधानसभा में देखी कार्यवाही

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

विधानसभा के बजट सत्र के पांचवें दिन लोकतंत्र की एक ऐतिहासिक तस्वीर सामने आई, जब मुख्यधारा में लौटे 120 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने विधानसभा पहुंचकर सदन की कार्यवाही का अवलोकन किया। इनमें 66 पुरुष और 54 महिलाएं शामिल थीं। दर्शक दीर्घा से कार्यवाही देखते हुए उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नजदीक से समझा और संविधानिक व्यवस्था के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। इन आत्मसमर्पित नक्सलियों में 1 करोड़ रुपए का इनामी पूर्व नक्सली रूपेश और झीरम हमले में शामिल रहा सरेंडर नक्सली चैतू भी मौजूद थे। विधानसभा भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, गृहमंत्री विजय शर्मा और डीजीपी अरुण देव गौतम सहित अन्य मंत्रियों ने उनका स्वागत किया और उनसे मुलाकात की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि लोकतंत्र पर भरोसा जताते हुए हिंसा का रास्ता छोड़ना प्रदेश के लिए सुखद संकेत है। उन्होंने कहा कि सरकार पुनर्वासित लोगों के बेहतर भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उन्हें सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि जो लोग संविधान में विश्वास जताते हैं, उनके लिए सरकार के द्वार हमेशा खुले हैं। राज्य सरकार की पुनर्वास नीति और सुरक्षा बलों के लगातार अभियानों के परिणामस्वरूप अब तक 2500 से अधिक नक्सली आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ चुके हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा निर्धारित 31 मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को लेकर अभियान तेज कर दिया गया है। पुर्नवास, कौशल विकास और आजीविका योजनाओं के माध्यम से स्थायी शांति स्थापित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि संविधान और लोकतंत्र में आस्था जताने वालों का स्वागत किया जाएगा। हाल ही में सीपीआई (माओवादी) के शीर्ष नेतृत्व में शामिल देवज नाम से विख्यात वरिष्ठ महासचिव के आत्मसर्मपण को भी बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

## मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया 'गुलाल' होली विशेषांक का विमोचन

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री

कार्यालय में गुलाल होली विशेषांक का विमोचन किया। वरिष्ठ पत्रकार जगजीत सिंह द्वारा प्रकाशित इस विशेषांक में होली पर्व के सांस्कृतिक, सामाजिक और साहित्यिक पक्षों को समाहित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, भाईचारे और भारतीय परंपराओं की जीवंत अभिव्यक्ति का पर्व है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकाशन हमारी लोकसंस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने इस रचनात्मक पहल के लिए प्रकाशक और उनकी टीम को बधाई दी। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, दीपक विश्वकर्मा, नदीम मेमन तथा श्रमजीवी गिल्ड फाउंडेशन के अध्यक्ष आरके गांधी उपस्थित थे।

## ग्राम पंचायत बिजली के ग्रामीणों ने किया लोकभवन का भ्रमण

**रायपुर।** राज्यपाल रमेन डेका ने अपने गोद ग्राम बिजली, जिला गरियाबंद से आए जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से मुलाकात की। उन्होंने किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उनके कार्यालय को अवगत कराएं। राज्यपाल के गोद ग्राम बिजली के ग्रामीण बहुत खुश नजर आए। उनके गांव के विकास के लिए सभी ग्रामीणों ने राज्यपाल का आभार व्यक्त किया। सरपंच श्रीमती पदमा निषाद ने बताया कि राज्यपाल द्वारा उनके ग्राम पंचायत में टिन शैड, वॉटर हार्वेस्टिंग, रिचार्ज पीट, नाडेप इत्यादि का काम करवाया जा रहा है। उनके गांव में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र भी है। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (VB-G-RAM-G) के तहत भी उनके गांव में काम हो रहा है। इसके अलावा स्कूल में स्मार्ट बोर्ड भी प्रदान किया गया है। जिससे बच्चों की शिक्षा में मदद मिल रही है। उप सरपंच रोशन राम पटेल ने बताया कि राज्यपाल जी ने जब से उनके गांव को गोद लिया है उनके गांव को विकास की गति मिली है।

# राष्ट्रीय विज्ञान दिवस : उप मुख्यमंत्री ने विज्ञान तीर्थ दर्शन अभियान शुरुआत करने की घोषणा

### शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में विज्ञान जागरूकता को बढ़ावा देने हुआ भव्य आयोजन

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर जगदलपुर में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। यह समारोह शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वाधान में कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार, शोध एवं वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस वैज्ञानिकों के योगदान को याद करने और युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर है। नवजवान साथी ही अब सारथी हैं विज्ञान के सारे अभियान में शामिल हो। उन्होंने विद्यार्थियों से विज्ञान को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखते हुए नवाचार और शोध की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने विश्व और भारत के प्रारंभिक वैज्ञानिकों की तत्कालीन परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि वतर्मान में माता- बहनों को विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि बस्तर में वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाए, अनुसंधान करने वाले युवा वैज्ञानिकों का नाम वैज्ञानिक ग्रंथों में उल्लेख हो। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाने सहित युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विज्ञान तीर्थ दर्शन अभियान शुरुआत करने की घोषणा की। जिसमें युवा वैज्ञानिकों को देश के प्रमुख वैज्ञानिकों के जन्म स्थलों का अध्ययन भ्रमण करवाया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने दण्डकारण्य आमचो बस्तर विज्ञान महोत्सव का विमोचन किया। विज्ञान महोत्सव की गतिविधि मार्च से सितंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें सोझ – गोठ (छात्र और वैज्ञानिक वार्ता), जोहार प्रकृती (ग्राम समिति कायर्शाला), बस्तर अनुसंधान (बस्तर लोक विज्ञान सम्मेलन), लोक – वैद्य सभा (पारंपरिक वैद्य विज्ञान अध्ययन अनुसंधान व कायर्शाला) और विकास यात्रा (प्रबुद्ध जनों की गोलमेज संगोष्ठी) का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर भोपाल, रायपुर से पहुँचे विभिन्न वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नवीनतम आयामों पर प्रकाश डाला। समारोह का उद्देश्य युवाओं में वैज्ञानिक चेतना का प्रसार करना और समाज में विज्ञान के महत्व को रेखांकित करना रहा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ प्रशांत कवीश्वर, सीएसआईआर भोपाल के निदेशक डॉ थल्लाडा भास्कर, विज्ञान भारती के श्री विवस्वान, बस्तर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनोज श्रीवास्तव ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में सांसद महेश कश्यप, विधायक किरण सिंह देव, महापौर संजय पांडेय, गणमान्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, प्राध्यापकगण, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से ग्रामीण संपर्क को नई रफ्तार

### 5.10 किलोमीटर सड़क निर्माण को प्रशासनिक स्वीकृति

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

प्रदेश में अधोसंरचना विकास को नई दिशा देते हुए महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से सूरजपुर जिले के ग्रामीण अंचलों को बड़ी सौगात मिली है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि सड़क केवल भौतिक संरचना नहीं, बल्कि विकास की आधारशिला है। मजबूत और सुदृढ़ सड़क नेटवर्क से सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलती है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बताया कि सूरजपुर जिला के पहाड़गांव से गोपालपुर होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग-43 तक पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में शामिल इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 5.10 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण पुल-पुलिया सहित किया जाएगा। यह सड़क क्षेत्र के अनेक ग्रामों के लिए मुख्य संपर्क मार्ग के रूप में विकसित होगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का जिला मुख्यालय एवं राष्ट्रीय राजमार्ग से सीधा और सुगम जुड़ाव सुनिश्चित होगा।

इस सड़क निर्माण से आवागमन अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनेगा। किसानों को अपनी उपज बाजार तक समय पर पहुंचाने में सहूलियत मिलेगी, विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थानों तक आवागमन में आसानी होगी तथा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं तक त्वरित पहुंच संभव हो सकेगी। साथ ही स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण अंचलों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है और चरणबद्ध रूप से आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

## सीएम हेल्पलाईन एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली से जनसामान्य की शिकायतों का होगा निराकरण

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन एवं अभिसरण विभाग की सीएम हेल्पलाईन के माध्यम से जनसामान्य की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। लोगों द्वारा विभिन्न माध्यमों से शिकायत दर्ज करायी जा सकेगी। इसमें दूरभाष, व्हाट्सएप, पोर्टल पर ऑनलाईन शिकायत दर्ज करायी जा सकेगी। मुख्यमंत्री के जनदर्शन में प्राप्त शिकायतों के आवेदनों निराकरण भी सीएम हेल्पलाईन से किया जा सकेगा एवं जिलों में कलेक्टर द्वारा जनदर्शन में प्राप्त शिकायतों को भी सीएम हेल्पलाईन में दर्ज किया जाएगा।

मंत्रालय महानदी भवन में सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सचिव राहूल भगत की अध्यक्षता में सीएम हेल्पलाईन योजना हेतु नामांकित विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारियों एवं सहायक नोडल अधिकारियों का प्रशिक्षण सह बैठक का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में तकनीकी सपोर्ट टीम द्वारा अधिकारियों को सीएम हेल्पलाईन के तहत कार्य करने का प्रेजेंटेशन के जरिये तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया।

सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सचिव श्री राहूल भगत ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में जनसामान्य की शिकायतों का निराकरण शीघ्रता से हो, इसके लिए सीएम हेल्पलाईन एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली के माध्यम से शिकायतों को पंजीकृत कर निर्धारित समय-सीमा में समस्याओं का निराकरण होगा। इसके लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी कि वे प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निराकरण करें। राज्य शासन के विभागों के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों को पंजीकृत किया जाएगा। इसकी जानकारी विभाग के सचिव को होगी। विभागीय सचिव को यह जानकारी होगी की दर्ज शिकायत का निराकरण किस स्तर के अधिकारी द्वारा कर दिया गया है। यदि यह कार्य निर्धारित समय-सीमा में शिकायत का निवारण नहीं करते है तो उनको उस शिकायत के निराकरण के संबंध में स्पष्ट हेल्पलाईन पर करना होगा। सीएम हेल्पलाईन के माध्यम से एक प्लेटफार्म पर राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से लोग अपनी शिकायत कर सकेंगे। शिकायत पंजीकृत कर संबंधित शिकायतकर्ता को एक यूनिक आईडी प्रदान किया जाएगा। जिसके माध्यम से वह अपनी समस्या के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेगा। बैठक सह प्रशिक्षण के इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कमर्चारी शामिल हुए।

## दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण को लेकर राज्यभर में तेज होगा अभियान : लोकेश

**समीक्षा बैठक**

### योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, प्रशिक्षण व स्वरोजगार को रोजगार से जोड़ने के निर्देश

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया ने कहा है कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप दिव्यांगजनों तक सभी कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम और समयबद्ध लाभ पहुंचाया जाएगा। उन्होंने बिलासपुर प्रवास के दौरान जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की।

श्री कावड़िया ने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सीधे रोजगार एवं आय सृजन से जोड़ा जाए, ताकि दिव्यांगजन आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने ऋण वितरण प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने तथा अधिकाधिक हितग्राहियों को लाभान्वित करने पर जोर दिया। समीक्षा बैठक में यूडीआई डी कार्ड निर्माण, ऋण प्रकरणों की स्वीकृति, सहायक उपकरण वितरण तथा स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने जानकारी दी कि नियमित शिविरों के माध्यम से पात्र दिव्यांगजनों को चिन्हित कर योजनाओं से जोड़ा जा रहा है।

प्रवास के दौरान श्री कावडिया ने विशेष विद्यालयों, दिव्यांग संस्थाओं एवं छात्रावासों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बच्चों एवं प्रशिक्षुओं से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और शिक्षा, कौशल विकास तथा पुनर्वास सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के निर्देश दिए। श्री कावड़िया ने कहा कि राज्य स्तर पर योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी, ताकि किसी भी पात्र दिव्यांगजन को लाभ से वंचित न रहना पड़े और सशक्त, आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

# युवाओं के अंदर समाज के प्रति कुछ योगदान देने की भावना बहुत जरूरी, छोटी-छोटी बातों से आता है बड़ा बदलाव : राज्यपाल डेका

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

लोक भवन में राज्यपाल रमेन डेका ने केंद्रीय युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय, भारत सरकार के माय भारत युवा कार्यक्रम अंतर्गत युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत गुजरात से छत्तीसगढ़ भ्रमण पर आए माय भारत वॉलेंटियर्स के प्रतिनिधि मंडल से मुलाक़ात की। उन्होंने माय भारत कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से विभिन्न राज्यों के युवाओं के मध्य सांस्कृतिक, सामाजिक एवं वैचारिक आदान-प्रदान सुदृढ़ होता है जिससे राष्ट्रीय एकता की भावना और अधिक सशक्त होती है। उन्होंने गुजरात से आए माय भारत वॉलेंटियर्स से आत्मीय संवाद किया और उनसे छत्तीसगढ़ यात्रा के बारे में अनुभव जाने।

श्री डेका ने उनका उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप सभी युवा देश निर्माण में अपना योगदान जरूर दें। अपने उद्बोधन में श्री डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ माता कौशल्या का मायका और भगवान राम का ननिहाल है। यहाँ बस्तर में एशिया का नियाग्रा कहा जाने वाला चित्रकोट जलप्रपात अद्भुत है। उन्होंने गुजरात से आए युवाओं को बताया कि छत्तीसगढ़ में आपको 5000 साल पुरानी संस्कृति के दर्शन होंगे। श्री डेका ने कहा छत्तीसगढ़ में तेजी से विकास हो रहा है। जल्द ही यह प्रदेश एजुकेशनल हब के रूप में देश में जाना जाएगा।

युवाओं के अंदर समाज के प्रति कुछ योगदान देने की भावना बहुत जरूरी होती है क्योंकि छोटी-छोटी बातों से बड़ा बदलाव आता है। उन्होंने कहा अगर हम अपने घर के आस पास की स्वच्छता में योगदान दें या अपने पड़ोस के बुजुर्गों की सेवा करें, उनके जीवन के अनुभव जानें रोजमर्रा के काम में उनकी मदद करें तो भी यह सराहनीय है। उन्होंने कहा आज टेक्नोलॉजी का जमाना है, तकनीक का सही इस्तेमाल करके मानव जाति के विकास में नए आयाम तय किए का सकते हैं। युवाओं को ए आई के इस युग में सही ग़लत का अंतर समझना भी जरूरी है। उन्होंने टाइम मैनेजमेंट और जीवन में मोबाइल और विशेषकर सोशल मीडिया में के उपयोग में संतुलन बरतने की भी बात युवाओं से कही। उन्होंने कहा कि अपने पैशन को फॉलो करके भी युवा अपना भविष्य संवार सकते हैं। उन्होंने इस दौरान देश और गुजरात राज्य के प्रेरणादायक व्यक्तित्वों की भी चर्चा की।

गुजरात के युवाओं ने छत्तीसगढ़ के सेवा-सत्कार की सराहना की

इस अवसर पर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा भी मौजूद थे उन्होंने माय भारत वालेंटियर्स को अपना बहुमूल्य समय देने के लिए राज्यपाल महोदय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा हमारा छत्तीसगढ़ मिनी इंडिया है, यहाँ सभी राज्य और समाज के लोग आपसी प्रेम और सौहार्द्य के साथ रहते हैं। यहाँ बहुतायत में गुजराती और वैष्णव समाज के लोग रहते हैं। वैष्णव संप्रदाय से संबंधित पूजनीय महाप्रभु वल्लभाचार्य की जन्मस्थली चंपारण हमारे छत्तीसगढ़ में है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय एकता की भावना को बल प्रदान करने वाले इस अभियान की सराहना करते हुए युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

माय भारत कार्यक्रम के राज्य निदेशक श्री अर्पित तिवारी ने भारत सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित इस भ्रमण कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आयोजन ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्य की भावना को मूर्त रूप प्रदान करते हुए राज्यों के मध्य सौहार्द, सहयोग एवं आपसी समझ को प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक एवं भाषाई विविधताओं का परिचय, व स्थानीय परंपराओं एवं खानपान का अनुभव, युवाओं के मध्य संवाद एवं नेतृत्व कौशल का विकास कर राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की भावना को सुदृढ़ करना है।

लोक भवन में गुजरात से आए युवाओं का आत्मीय स्वागत किया गया, जिससे युवा काफी भावुक हो गए। इस दौरान लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में जय जोहार जय छत्तीसगढ़ का नारा गूंज उठा। राज्यपाल श्री डेका से हुए आत्मीय संवाद ने इन युवाओं को प्रेरित किया। युवाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ आकर यहाँ के लोगों से मिलकर, यहाँ की कला, संस्कृति और सेवा-सत्कार देखकर उन्हें अच्छा लगा। उन्होंने आज शहीद वीर नारायण सिंह ट्राइबल म्यूजियम का भ्रमण किया और छत्तीसगढ़ के आदिवासी नायकों द्वारा किए गए स्वतंत्रता आंदोलनों के बारे में जाना। युवाओं ने बताया कि महाराष्ट्र मंडल में छत्तीसगढ़ के तीज त्योहारों पर आधारित नृत्य से उन्हें यहाँ की सांस्कृतिक झलक मिली।

गुजरात से आई माय भारत से ट्विंकल ने बताया कि उन्हें बताया गया था कि छत्तीसगढ़ एक आदिवासी राज्य है। उन्हें पहले लगा था यह प्रदेश कम विकसित होगा लेकिन यहां आकर उन्होंने जाना कि इस प्रदेश के लोग प्रकृति के संरक्षण के साथ विकास की भावना को लेकर आगे बढ़ रहें हैं। उन्हें यहां आकर बहुत अच्छा लगा।

गुजरात के कमलेश ने अपनी बात रखते हुए कहा कि यहां के लोगों ने उन्हें महसूस ही नहीं होने दिया कि वे दूसरे राज्य से आए हैं। उन्हें यहां बहुत अपनापन मिला। इसी तरह अनिल ने बताया कि वे पहली बार अपने प्रदेश से बाहर निकले हैं। यह अनुभव उनके लिए काफी शानदार रहा। वहीं माय युवा भारत की वॉलेंटियर कुमारी ने बताया कि उन्हें राज्यपाल का उद्बोधन सुनकर बहुत प्रेरणा मिली, जिसे वे अपने जीवन में जरूर आत्मसात करेंगी। इस अवसर पर राज्यपाल के विधिक सलाहकार श्री भीष्म प्रसाद पाण्डेय सहित लोकभवन के अधिकारी-कमर्चारी उपस्थित थे।

## संपादकीय

# ट्रंप की बातों पर यकीन करने वाले अब चुप क्यों है...

**राजनीति करने वालों को सच या झूठ से कोई मतलब नही होता है। जिससे उनको लगता है कि राजनीतिक फायदा हो सकता है, वह उस पर आंख मूंदकर यकीन कर लेते हैं मान लेते हैं कि इससे बड़ा सच कहने वाला कोई नहीं है और इससे बड़ा सच कोई नहीं हो सकता। भले ही कहने वाले अपने फायदे के लिए झूठ कह रहा हो। माना जाता हो कि यह आए दिन झूठ बोलता है, लेकिन उसके झूठ से यदि राजनीति करने वालों को फायदा होता है तो किसी नेता को कुछ कहने का मौका मिलता है तो वह उस झूठ को लपकने में देरी नहीं करते है।ट्रंप ने कहा कि आपरेशन सिंदूर मैंने रुकवाया तो भारत में राहुल गांधी सहित कांग्रेस को लगा कि यह मौका है पीएम मोदी को कमजोर नेता बताने का तो उन्होंने खूब प्रचार किया कि ट्रंप के सामने पीएम मोदी ने सरेंडर कर दिया।**

राहुल गांधी कई दिनों तक यह जुमला जगह जगह कहते रहे कि नरेंदर सरेंडर। पीएम मोदी डरपोक पीएम है, पीएम मोदी कमजोर पीएम हैं। ट्रंप ने उनको फोन करके कहा कि नरेंदर सरेंडर और पीएम मोदी ने आपरेशन सिंदूर बंद कर ट्रंप के सामने सरेंडर कर दिया। पीएम मोदी ने भले ही ट्रंप की बातों का कोई जवाब नहीं दिया लेकिन रक्षा मंत्री राजनाथ,विदेश विभाग व सेना की तरफ से कई बार कहा गया कि ट्रंप झूठ कह रहे हैं। आपरेशन सिंदूर ट्रंप के कहने पर बंद नहीं किया गया है, पाक सेना के अधिकारी के आग्रह पर आपरेशन सिंदूर रोका गया है,उसे खत्म नहीं किया गया है लेकिन राहुल गांधी व कांग्रेस ने रक्षामंत्री,विदेश विभाग व सेनाके अधिकारियों की बात पर यकीन नहीं किया और देश में इस झूठ का प्रचार करते रहे कि पीएम मोदी ने ट्रंप के सामने सरेंडर कर दिया है।

ट्रंप अगर हमेशा सच कहते हैं और राहुल गांधी सहित कांग्रेस उस पर यकीन करती है तो उनको ट्रंप की हर बात पर यकीन करना चाहिए। अब ट्रंप ने संसद में दिए अपने स्टेट आफ यूनियन के संबोधन में अब तक का सबसे बड़ा दावा किया है और राहुल गांधी सहित कांग्रेस के नेता चुप है, सवाल उठता है कि क्यों चुप है, ट्रंप ने ऐसा क्या कह दिया है कि राहुल गांधी व कांग्रेस नेता को सदमा लग गया है कि ट्रंप ने यह क्या कह दिया है।ट्रंप ने संसद में कहा है कि आपरेशन सिंदूर के दौरान उन्होंने हस्तक्षेप कर द.एशिया को परमाणु युध्द से बचाया है। अगर वह हस्तक्षेप नहीं करते तो पाकिस्तान के तीन करोड़ लोग मारे जाते।इस बार ट्रंप ने नया यह कह दिया कि उनके सामने पाक पीएम शहबाज शरीफ ने स्वीकार किया था कि अमरीका ने दखल नहीं दिया होता तो वह भी मारे जा सकते थे और भारी जनहानि हो सकती थी।

अमरीका के राष्ट्रपति ट्रंप कभी भी कुछ भी कह सकते हैं, बड़े से बड़ा झूठ भी कह सकते हैं क्योंकि वह सोचते हैं कि वह कुछ भी कह देंगे तो छोटे देश के पीएम उनकी बात को झूठ नहीं सकते लेकिन भारत ने ट्रंप को कई बार बयान देकर बता दिया था कि वह झूठ कह रहे हैं लेकिन पाक पीएम की तरफ से अब तक यह नहीं कहा गया है कि ट्रंप ने जो कुछ पाक पीएम व पाक जनता के बारे में कहा है वह झूठ है।ट्रंप ने जो कुछ कहा है उससे से साफ होता है कि आपरेशन सिंदूर से पाक पीएम डरे हुए थे और वह सैन्य कारवाई रुकवाना चाहते थे और ऐसा करने का अ?ुरोध उन्होंने ट्रंप से किया था। इससे तो यह साबित होता है कि पीएम मोदी ने जो कुछ किया बड़ी मजबूती से किया था और यह भी कहा था कि पाकिस्तान ने अगर भविष्य में आतंकवादी कारर्वाई तो आपरेशन सिंदूर फिर से किया जा्एगा।

स्टेट आफ यूनियन में ट्रंप ने 107 मिनट भाषण दिया। वहीं के विपक्षी खेमे व फैक्ट चेकर्स ने बताया कि उन्होंने अपने भाषण में 20 झूठ बोले यानी हर पांच मिनट ने एक झूठ बोला। इससे तो यही पता चलता कि ट्रंप झूठ बोलते हैं, हर पांच मिनट में एक झूठ बोलते हैं।झूठ बोलना उनकी आदत है,वह झूठ अपने आपको को शांति का मसीहा, विश्व शांति का रक्षक बताने के लिए कहते रहते हैं। उनकी बातों पर राहुल गांधी जैसे लोग और कांग्रेस जैसी झूठ की राजनीति करने वाली पार्टी यकीन करती हैं और झूठे साबित होते रहते है। ट्रंप ने कहा कि इंडिया की इकानामी डेड है, राहुल गांधी ने भी कहा और ट्रंप की तरह झूठे साबित हुए।अब नरेंदर सरेंडर मामले में भी राहुल गांधी झूठे साबित हुए हैं क्योंकि आपरेशन सिंदूर का आदेश एक मजबूत पीएम ही दे सकता था और उससे पाक को बहुत नुकसान हुआ है और बहुत नुकसान हो सकता था।

# अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर छाया छत्तीसगढ़

## साउथ एशिया ट्रैवल एंड टूरिज्म एक्जिबिशन नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड का सशक्त प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

**छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराते हुए नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में आयोजित साउथ एशिया ट्रैवल एंड टूरिज्म एक्जिबिशन 2026 में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की। 25 से 27 फरवरी तक आयोजित इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा स्थापित भव्य पवेलियन आकर्षण का केंद्र रहा, जहाँ राज्य के प्राकृतिक वैभव, जनजातीय संस्कृति, आध्यात्मिक धरोहर, वन्यजीव पर्यटन और एडवेंचर गतिविधियों का प्रभावी प्रदर्शन किया गया।**

तीन दिवसीय इस आयोजन में पर्यटन मंडल के साथ पंजीकृत 36 स्टेकहोल्डर्स संस्थाओं ने संयुक्त रूप से भाग लेकर राज्य की पर्यटन संभावनाओं को देश-विदेश के टूर ऑपरेटर्स, होटलियर्स और ट्रैवल विशेषज्ञों के समक्ष पेश किया। बस्तर की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, इको-टूरिज्म मॉडल, जलप्रपातों और घने वनों से आच्छादित प्राकृतिक स्थलों की प्रस्तुति ने विशेष सराहना प्राप्त की। पवेलियन पर लगातार विभिन्न राज्यों एवं श्रीलंका, नेपाल और भूटान सहित अन्य देशों से आए प्रतिनिधियों की आवाजाही बनी रही, जिससे छत्तीसगढ़ के प्रति उत्सुकता और संभावित निवेश अवसरों को बल मिला।

प्रदर्शनी के दौरान स्टेकहोल्डर्स को सकारात्मक व्यावसायिक प्रतिसाद प्राप्त हुआ तथा कई संभावित साझेदारियों पर प्रारंभिक चर्चा भी हुई। पर्यटन विशेषज्ञों ने छत्तीसगढ़ को इमर्जिंग डेस्टिनेशन के रूप में रेखांकित करते हुए इसकी अप्रयुक्त संभावनाओं की सराहना की। राज्य में हाल के वर्षों में विकसित हो रहे इको-रिसॉर्ट्स, हेरिटेज प्रॉपर्टीज, जनजातीय पर्यटन सर्किट और फिल्म पर्यटन गतिविधियों ने भी आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर छत्तीसगढ़ की सशक्त उपस्थिति राज्य के पर्यटन भविष्य के लिए अत्यंत शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, प्राकृतिक विविधता और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाना हमारा संकल्प है। साउथ एशिया ट्रैवल एंड टूरिज्म एक्जिबिशन जैसे मंच राज्य को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन नेटवर्क से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मंत्री श्री अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की पूरी टीम और सभी पंजीकृत स्टेकहोल्डर्स को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनकी प्रतिबद्धता और समन्वित प्रयासों से राज्य में पर्यटन निवेश, रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार पर्यटन अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण, कनेक्टिविटी विस्तार, डिजिटल प्रमोशन और अंतरराष्ट्रीय रोड शो के माध्यम से छत्तीसगढ़ को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की डीजीएम श्रीमती पूनम शर्मा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन प्रदशर्नी में छत्तीसगढ़ की मजबूत उपस्थिति राज्य के लिए गौरव का विषय है। इस मंच के माध्यम से हम छत्तीसगढ़ की विशिष्ट सांस्कृतिक विरासत, इको-टूरिज्म और अनछुए प्राकृतिक स्थलों को वैश्विक पहचान दिलाने में हम सफल हो रहे हैं। हमारे पंजीकृत स्टेकहोल्डर्स की सक्रिय सहभागिता से राज्य में पर्यटन निवेश एवं रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

उल्लेखनीय है कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में ओडिशा, मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार, उत्तराखंड, केरल, असम, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और दिल्ली सहित अनेक राज्यों के पर्यटन विभागों ने भाग लिया। ऐसे प्रतिस्पर्धी वातावरण में छत्तीसगढ़ पवेलियन ने अपनी विशिष्ट प्रस्तुति और व्यवस्थित प्रबंधन से विशेष पहचान बनाई। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन महोत्सव, सांस्कृतिक उत्सव, हेरिटेज वॉक, फिल्म शूटिंग प्रोत्साहन, वेलनेस एवं आध्यात्मिक पर्यटन सर्किट जैसी अनेक पहलें संचालित हो रही हैं, जिससे राज्य को निरंतर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर प्राप्त हो रहा है। पर्यटन मंडल की रणनीतिक ब्रांडिंग, डिजिटल कैंपेन और बीटूबी नेटवर्किंग प्रयासों ने राज्य को अनछुए अनुभवों की धरती के रूप में नई पहचान दिलाई है।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल राज्य को राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़ाकर वैश्विक पर्यटन परिदृश्य में स्थापित करने के अपने संकल्प पर दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है। सकारात्मक दृष्टिकोण, मजबूत टीमवर्क और दूरदर्शी नेतृत्व के साथ छत्तीसगढ़ अब अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर अपनी स्थायी पहचान बनाने की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है।

# गार्बेज से गौरव तक: डंपिंग ग्राउंड से बनी जनजातीय गौरव वाटिका

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

**जनजातीय गौरव वाटिका आज बस्तर जिले में विकास, पर्यावरण संरक्षण और रोजगार सृजन का एक उत्कृष्ट उदाहरण बन चुकी है। जगदलपुर के कुम्हड़ाकोट क्षेत्र में स्थित यह स्थान कभी गंदगी और अतिक्रमण से प्रभावित डंपिंग ग्राउंड था, लेकिन अब यह एक सुंदर पर्यटन स्थल और स्वरोजगार का केंद्र बन गया है। इस परिवर्तन के पीछे वन विभाग की विशेष पहल और शासन की योजनाओं का महत्वपूर्ण योगदान है।**

वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पांडेय के नेतृत्व में इस क्षेत्र का व्यापक विकास किया गया। आरक्षित वनखंड कक्ष क्रमांक 1021 के इस क्षेत्र को साफ-सुथरा कर यहाँ लगभग 1700 मीटर लंबा नेचर ट्रेल बनाया गया है। साथ ही सुंदर तालाब और एक आकर्षक आइलैंड विकसित किया गया है। लोगों के स्वास्थ्य और मनोरंजन के लिए योग चबूतरा, योग शेड और ओपन जिम की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। बैठने के लिए पाँच सुंदर पैगोड़ा और एक आकर्षक पुल भी बनाया गया है।

इस वाटिका की खास बात इसकी समृद्ध वनस्पति है। यहाँ औषधीय पौधे, फलदार वृक्ष और बांस की विभिन्न प्रजातियाँ लगाई गई हैं। पूरी वाटिका को इको-फ्रेंडली और प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है। यह परियोजना केवल पर्यावरण सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे स्थानीय महिलाओं को रोजगार भी मिला है। महिला स्व-सहायता समूह द्वारा यहाँ जंगल कैंटीन का संचालन किया जा रहा है, जहाँ पर्यटक स्थानीय व्यंजनों का आनंद लेते हैं।

डीएफओ उत्तम कुमार गुप्ता ने बताया कि इस पहल से 20 महिलाओं का समूह आत्मनिर्भर बना है। अब तक 10 हजार से अधिक पर्यटक यहाँ आ चुके हैं, जिससे महिला समूह को लगभग दो लाख रुपये की आय प्राप्त हुई है। आज यह स्थान शहरवासियों के लिए सुबह की सैर, योग और शांति का पसंदीदा स्थल बन गया है। गार्बेज से गौरव तक का यह सफर बताता है कि सही योजना, मजबूत नेतृत्व और जनभागीदारी से किसी भी स्थान का कायाकल्प संभव है। यह सफलता कहानी पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक मिसाल है।

# महिलाओं की उद्यमिता में बढ़ता रुझान स्टार्टअप के जरिए बना रहीं नई पहचान

## स्व-रोजगार की सराहनीय पहल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

**बस्तर जैसे वन संपन्न क्षेत्र में अब महिलाएं उद्यमिता के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। गीदम विकासखंड में उद्यमिता विकास प्रशिक्षण से प्रेरित होकर कई महिलाओं ने स्वरोजगार की दिशा में नए प्रयास शुरू किए हैं। यह पहल महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रही है।**

### पत्तल-दोना निर्माण से आत्मनिर्भरता की ओर

गीदम की महिला उद्यमी रेणु पोटाम ने प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अपनी टीम महिला साहिता समूह के साथ पत्तल एवं दोना निर्माण का कार्य शुरू करने का निर्णय लिया। उन्होंने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित उद्यमिता विकास कार्यक्रम में प्रशिक्षण लिया। इस योजना में छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम को नोडल एजेंसी बनाया गया है। जिले में यह प्रशिक्षण चॉइस कंसल्टेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा, उद्योग विभाग दंतेवाड़ा के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को व्यवसाय प्रबंधन, बाजार की जानकारी, लागत निर्धारण, ब्रांडिंग और शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण से प्रेरित होकर रेणु पोटाम ने साल और अन्य वन पत्तों से पर्यावरण अनुकूल पत्तल और दोना बनाने की शुरुआत की। बस्तर क्षेत्र में कच्चा माल आसानी से उपलब्ध होने के कारण यह कार्य लाभकारी साबित हो रहा है। प्लास्टिक के विकल्प के रूप में इन उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। उनका लक्ष्य इन उत्पादों को स्थानीय बाजार के साथ पर्यटन गतिविधियों से जोड़ना है, ताकि अधिक से अधिक महिलाओं को रोजगार मिल सके। रेणु पोटाम अब अपने उद्यम को औपचारिक रूप से पंजीकृत कर प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत ऋण लेने की तैयारी कर रही हैं। ऋण से आधुनिक मशीनें खरीदी जाएंगी, जिससे उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

### लघु वनोपज और पारंपरिक उत्पादों को मिल रही पहचान

इसी क्रम में लुनिता चिमनकर ने लघु वनोपज से पौष्टिक गोंद के लड्डू बनाने का व्यवसाय शुरू किया है। उनका उद्देश्य स्थानीय वन उत्पादों को मूल्य संवर्धन के साथ बाजार तक पहुंचाना है। प्रेमलता यादव ने प्रशिक्षण के माध्यम से व्यवसाय संचालन की जानकारी लेकर छत्तीसगढ़ की पारंपरिक मिठाइयों को व्यावसायिक पहचान देने का संकल्प लिया है। नगर पंचायत गीदम की सुचिता जैन ने केक, बिस्कुट और अन्य बेकरी उत्पादों का निर्माण शुरू कर स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाया है। उनकी पहल से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं और अन्य महिलाएं भी प्रेरित हो रही हैं।

### महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल

उद्यमिता विकास कार्यक्रम के माध्यम से गीदम क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण की नई कहानी लिखी जा रही है। वन संपदा, पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक प्रशिक्षण के समन्वय से यहां की महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। इन प्रयासों से न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है, बल्कि वे पूरे बस्तर क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन रही हैं।

# अर्थव्यवस्था का एक नया नजरिया : भारत के जीडीपी के आधार में संशोधन को समझना

*सौरभ गर्ग, सचिव सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय*

**सकल घरेलू उत्पाद या जीडीपी किसी देश की अर्थव्यवस्था के आकार और उसकी सेहत को आंकने का एक तरीका है। यह एक राष्ट्र का वह रिपोर्ट कार्ड है, जो हमें बताता है कि वह देश वस्तुओं और सेवाओं के लिहाज से कितना उत्पादन कर रहा है। जब जीडीपी बढ़ रही होती है, तो आमतौर पर इसका मतलब होता है कि कारोबार जगत वस्तुओं एवं सेवाओं का अधिक उत्पादन कर रहा है, अधिक संख्या में लोगों को रोजगार मिल रहा है और आय बढ़ रही है। वैश्विक स्तर पर भी जीडीपी का बेहद महत्व होता है। वतर्मान में भारत विश्व की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है और अनुमान है कि 2030 तक यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।**

अर्थव्यवस्था को मापने के एक साधन के रूप में, जीडीपी को अर्थव्यवस्था की सही नब्ज को पहचानने के उद्देश्य से नियमित रूप से संशोधित करते रहने की जरूरत होती है। इस काम को बदलती अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बनाए रखने के इरादे से जीडीपी के आधार वर्ष को नियमित अंतराल पर अद्यतन करके पूरा किया जाता है। जैसे- जैसे अर्थव्यवस्था के स्वरूप बदलता जाता है और नए उद्योग उभरते हैं, उपभोग के पैटर्न बदलते हैं तथा आंकड़ों के नए स्रोत विकसित होते हैं, इन संशोधनों से आधिकारिक आंकड़ों को असली हकीकतों के अनुरूप ढालने में मदद मिलती है और अनुमान अधिक सटीक व ठोस बन जाते हैं।

आधार में पिछले संशोधन के बाद से आंकड़ों के नए स्रोतों की उपलब्धता ने हमें जीडीपी में अलग-अलग सेक्टरों और अलग-अलग क्षेत्रों के योगदानों को अधिक स्पष्ट रूप से देखने और बेहतर तरीकों को अपनाने में मदद की है। उदाहरण के लिए, अनौपचारिक क्षेत्र को भी व्यापक रूप से कवर करने वाले गैर-निगमित क्षेत्र द्वारा मूल्य वर्धन का अनुमान लगाने में संदर्भ में।

जीडीपी के आधार में पिछले संशोधन के बाद से, कंपनियों के प्रबंधन एवं प्रशासन संबंधी आंकड़े (एमजीटी-7/7ए) जैसे कुछ नए किस्म के आंकड़े उपलब्ध हुए हैं। ये आंकड़े कंपनियों द्वारा की जाने वाली व्यावसायिक गतिविधियों की संख्या, एनआईसी 2008 के अनुसार व्यावसायिक गतिविधि के विवरण और प्रत्येक वर्ष प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि (उद्योग) से प्राप्त प्रतिशत कारोबार (टर्नओवर) की जानकारी प्रदान करते हैं। इसलिए, आधार का पुनर्निर्धारण करते समय बहु-गतिविधियों वाले उद्यमों के लिए मूल्यवर्धन को अब पहले की तरह पूरी तरह से मुख्य गतिविधि को आवंटित करने के बजाय नए उपलब्ध एमजीटी-7 के आंकड़ों के आधार पर विभिन्न गतिविधियों में आवंटित किया जाता है। इस बदलाव से हमें अलग-अलग सेक्टरों के योगदानों को अधिक सटीक रूप से समझने में मदद मिलती है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि अर्थव्यवस्था को किस प्रकार संचालित कर रही है।

जिस प्रकार कंपनी स्तर के नए आंकड़े हमें अलग-अलग सेक्टरों के योगदानों को अधिक सटीक रूप से मापने में मदद करते हैं, ठीक वैसे ही नई श्रृंखला में जीएसटी आंकड़ों के बेहतर उपयोग से अन्य बातों के अलावा, निजी कॉरपोरेट सेक्टर से संबंधित क्षेत्रीय आवंटन में सुधार और राज्य स्तर पर व्यय-पक्ष के अनुमानों के बेहतर संकलन के जरिए जीडीपी में क्षेत्रीय योगदानों का अधिक सटीक और सूक्ष्म दृष्टिकोण हासिल होता है।

एएसयूएसई और पीएलएफएस जैसे सर्वेक्षणों से हासिल वार्षिक आंकड़ों की उपलब्धता, जिसकी सुविधा पहले नहीं थी, ने हमें गैर-निगमित क्षेत्र द्वारा वार्षिक रूप से मूल्यवर्धन का अनुमान लगाने की एक बेहतर पद्धति अपनाने में समर्थ बनाया है। पहले हम अन्य संकेतकों से अप्रत्यक्ष रूप से जीडीपी में इसके योगदान का अनुमान लगाते थे। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि लाखों घरेलू व्यवसायों, छोटी दुकानों और स्वरोजगार श्रमिकों से मिलकर बना यह सेक्टर अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है और रोजगार एवं आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जीडीपी के आधार में संशोधन महज आंकड़ों के नए स्रोतों के उपयोग से कहीं आगे की बात है। यह कार्यप्रणाली में सुधार से भी जुड़ा है और इस संदर्भ में, जीडीपी की नई श्रृंखला में कई कार्यप्रणालीगत सुधार देखे गए हैं।

पहले, कीमतों में बदलाव के अनुसार जीडीपी को समायोजित करने की दोहरी अपस्फीति (डबल डिफ्लेशन) विस्तृत विधि सिर्फ कृषि क्षेत्र में ही लागू होती थी। वर्ष 2022-23 की नई श्रृंखला में दोहरी अपस्फीति विधि का विस्तार करके इसे मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र तक ले आया गया है, जहां अब पर्याप्त आंकड़े उपलब्ध हैं और अन्य सभी क्षेत्रों में एकल बहिर्वेशन (सिंगल एक्सट्रपलेशन)/ मात्रात्मक बहिर्वेशन (वॉल्यूम एक्सट्रपलेशन) विधि का उपयोग किया जाता है। यह दृष्टिकोण उपलब्ध आंकड़ों का सवीत्तम उपयोग करता है, जिससे अनुमान सटीक और विश्वसनीय बने रहते हैं। दोहरी अपस्फीति में बहुत अधिक आंकड़ों की आवश्यकता होती है, क्योंकि इसके लिए आउटपुट और इनपुट दोनों की कीमतों पर विस्तृत जानकारी की जरूरत होती है। जैसे-जैसे समय के साथ यह आंकड़ा और अधिक उपलब्ध होता जाएगा, हम इसके उपयोग का विस्तार और अधिक क्षेत्रों में कर सकेंगे।

कार्यप्रणाली की दृष्टि से एक उल्लेखनीय सुधार यह है कि अर्थव्यवस्था के अनुमानों को उत्पादित वस्तुओं (उत्पादन पक्ष) और लोगों एवं कारोबार जगत द्वारा किए गए व्यय (खर्च पक्ष) के आधार पर ढाला गया है। ये दोनों पक्ष अक्सर पूरी तरह से मेल नहीं खाते, जो कि दुनिया के तमाम देशों में और खासकर तिमाही जीडीपी के मामले में, एक आम समस्या है। इस समस्या को दूर करने के उद्देश्य से नई श्रृंखला में 'आपूर्ति एवं उपयोग सारणीइ के ढांचे का उपयोग किया जा रहा है ताकि प्रारंभिक अनुमानों में विसंगतियों को सीमित किया जा सके और अंतिम अनुमानों के समय पूरे आंकड़े उपलब्ध होने पर उन्हें पूरी तरह से दूर किया जा सके।

जीडीपी के आंकड़ों को अद्यतन करना अर्थव्यवस्था को और भी स्पष्ट नजरिए से देखने जैसा है। हर आर्थिक गतिविधि, चाहे छोटी हो या बड़ी, स्पष्ट रूप से सामने आती है और राष्ट्र के विकास में उसके योगदान का सटीक तरीके से उजागर होता है। बेहतर आंकड़ों का उपयोग करके, विधियों को परिष्कृत करके और अंतरराष्ट्रीय सवीत्तम कार्यप्रणालियों के अनुरूप ढलकर, मंत्रालय ने अर्थव्यवस्था को और भी स्पष्ट रूप से पेश किया है। नागरिकों के लिए इसका मतलब यह है कि अब नीतियां एवं सार्वजनिक सेवाएं अर्थव्यवस्था की कार्यप्रणाली की सटीक समझ पर आधारित हैं, जिससे विकास का असर सिर्फ कागजों पर ही नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में भी महसूस हो रहा है।

# होली पर्व के मद्देनजर खाद्य प्रतिष्ठानों में सघन जांच अभियान, 5 नमूने अवमानक मिले

## स्वच्छता, साफ-सफाई और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री विक्रय के संबंध में आवश्यक दिए गए दिशा-निर्देश

*नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़*

होली पर्व को खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के व्दारा खाद्य प्रतिष्ठानों में सघन जांच पड़ताल जारी।। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रावल के निर्देशानुसार होली त्यौहार के अवसर पर आमजन को स्वस्थ एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने हेतु जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में विशेष जांच अभियान चलाया गया। उपसंचालक आशीष शर्मा एवं अभिहित अधिकारी सिद्धार्थ पांडे, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई की उपस्थिति में संयुक्त दल द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक घृतलहरे द्वारा खैरागढ़ स्थित मानव मंदिर स्वीट, जलाराम स्वीट, जनता रेस्टोरेंट, बीकानेर राजेश्वरी स्वीट, श्री बीकानेर स्वीट तथा गंडई के

राजपुरोहित बीकानेर स्वीट से कचौड़ी, मोतीचूर लड्डू, बेसन लड्डू, खोवा, पेड़ा, फाफड़ा, लूज गुजिया, रसमलाई, केला चिप्स, मिक्सचर, अंजीर कतली सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के 02 विधिक एवं 18 सर्विलांस नमूने लेकर जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, कालीबाड़ी, रायपुर को प्रेषित किए गए।

इसी क्रम में चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से विभिन्न प्रतिष्ठानों से 65 सर्विलांस नमूने मौके पर जांच हेतु लिए गए। जांच उपरांत 60 नमूने मानक अनुरूप पाए गए, जबकि 05 नमूने अवमानक प्राप्त हुए। अवमानक पाए गए खाद्य रंग युक्त नमूने को मौके पर ही नष्ट करवाया गया।

सभी व्यापारियों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 के अंतर्गत स्वच्छता, साफ-सफाई एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री विक्रय के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान सभी प्रतिष्ठानों की खाद्य अनुज्ञप्ति एवं पंजीयन की जांच की गई, जो वैध पाई गई।

कार्यवाही के दौरान सहायक खाद्य अधिकारी संजय ठाकुर सहित विभागीय अमला उपस्थित रहा। स्वस्थ एवं सुरक्षित खाद्य सुनिश्चित करने हेतु विभाग की यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।।

**खास खबर**

## ग्राम बेलरगोंदी में कृषक संगोष्ठी कार्यक्रम का हुआ आयोजन

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

कृषि विभाग द्वारा एक्सटेंशन रिफार्म आत्मा योजनांतर्गत छुरिया विकासखंड के ग्राम बेलरगोंदी में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती चंद्रिका वर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में किसानों को आगामी खरीफ फसल के लिए आवश्यक मार्गदर्शन किया गया।

इस दौरान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा ग्राम बेलरगोदी के किसान जयप्रकाश वर्मा के खेतों में पहुंचकर चना फसल का अवलोकन किया। इसके बाद ग्राम पंडरी पथरा पहुंचकर किसान गेसराम साहू के खेत पहुंचकर मक्का फसल का भ्रमण किया। कार्यक्रम में सरपंच बेलरगोदी लेखचंद वर्मा, सोमनाथ वर्मा, शंभू साहू, चंद्रशेखर पतीला, कृषि विभाग से जेपी सहडे, सुदेश पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

## भगवान दत्तात्रेय की एकमुखी चतुर्भुज विग्रह की हुई प्राण प्रतिष्ठा

**सिमगा।** परम पूज्य गुरुदेव सतगुरु अण्णा महाराज इंदौर के द्वारा श्रीदत्तात्रेय सिद्ध शक्ति पीठ सिमगा में भगवान दत्तात्रेय की एकमुखी चतुर्भुज विग्रह के प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। भगवान दत्तात्रेय की भारत इस तरह की पहली और अबतक के एकमात्र मूर्ति की स्थापना के लिए भगवान दत्तात्रेय की राजधानी माने जाने वाले गाणगापुर कर्नाटक के निर्गुण पादुका मठ के मुख्य पुजारी वैभव पुजारी के साथ 4 वेदशास्त्र निपुण आचार्य बुलाये गए थे जिन्होंने तीन दिवसीय यह अनुष्ठान पूरा किया।

कलश पूजा के लिए शिव शक्ति आश्रम नर्मदा पुरम के संन्यासी नर्मदामणि महाराज स्वयं पधारे थे जिनके हस्ते मंदिर का कलशारोहण किया गया। कार्यक्रम प्रयागराज से अवधेश पारिक चित्रकूट से शिव नरेश मिश्रा चित्रकूटधाम गोंदिया से योगी रामनाथ जी , कराड से अरविंद जोशी, गोरखनाथ पीठ मनु डोंगर के महंत हरिहर नाथ योगी, एवं दत्त संप्रदाय के ब्रह्मलीन संत जनु मामा के सुपुत्र भूषण अग्निहोत्री सहित अनेक साधु संत,भगवान दत्तात्रेय के भक्तगण उपस्थित थे।

श्री दत्तात्रेय सिद्ध शक्तिपीठ का निर्माण सिमगा छत्तीसगढ़ के रणजीत भोंसले एवं उनके परिवार द्वारा उनके गुरुदेव सतगुरु अण्णा महाराज इंदौर के आज्ञा एवं निदेशानुसार कराया गया है। कार्यक्रम के दौरान अण्णा महाराज ने कार्यक्रम में पधारे साधू संतों का श्रीदत्तात्रेय सिद्ध शक्तिपीठ सिमगा की ओर से शाल श्रीफल और हिंदी में अनुवादित श्रीपाद श्रीवल्लभ चरितामृत ग्रंथ भेट कर सम्मान किया गया।

# वृहद किसान सम्मेलन में मंत्री विजय शर्मा व किरण सिंह देव हुए शामिल

## कृषक उन्नति योजनां : बस्तर के 40 हजार से ज्यादा किसानों को मिले 205 .95 करोड़ रूपए

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर से प्रदेश के 25 लाख किसानों को 10 हजार 328 करोड़ रुपए से अधिक राशि किसानों के खातों में हस्तांतरित किया। इस कार्यक्रम में वर्चुअली जगदलपुर के वीर सावरकर भवन में आयोजित आदान सहायता कार्यक्रम एवं वृहद किसान सम्मेलन से उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी शामिल हुए।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने अपने वादे के मुताबिक समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की अंतर की राशि को एकमुश्त देकर किसानों की होली त्यौहार की खुशी को दुगुनी कर दी है। राज्य सरकार किसानों के हितों के लिए संवेदनशील होकर पहल कर रही है और वर्तमान बजट में भी उनकी सहायता के लिए अनेक किसान हितैषी प्रावधान किया गया है। जिससे

किसानों को उन्नत खेती किसानी के लिए सहूलियत होगी।

उन्होंने सहकार से समृद्धि को रेखांकित करते हुए कहा कि बस्तर में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने सहित लघु वनोपज संग्रहण एवं प्रसंस्करण के लिए सहकारी समितियों एवं महिला स्व सहायता समूहों को हरसंभव मदद देने, सिंचाई संसाधनों को बेहतर बनाने प्रयास किया जा रहा है ताकि यहां के निवासियों की आमदनी बढ़े और बस्तर की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो।

उन्होंने बस्तर की बेहतरी और तरक्की में समाज की व्यापक सहभागिता पर जोर देते हुए इस दिशा में सभी को मिलजुल कर कार्य करने का आव्हान किया। इस मौके पर स्थानीय विधायक किरण देव ने हल्बी में संबोधित करते हुए किसानों को होली त्योहार की हार्दिक बधाई दी और कहा कि हमारी सरकार के निर्णय से किसानों के परिवारों में उत्सव का माहौल है उनकी होली की खुशियां बढ़ गई है। यह हमारी सरकार की किसान हितैषी सकारात्मक प्रयास है।

वीर सावरकर भवन में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जगदलपुर महापौर संजय पांडे, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष दिनेश कश्यप, जिला पंचायत की कृषि स्थायी समिति के अध्यक्ष कामदेव बघेल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी., कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कमर्चारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित जगदलपुर से मिली जानकारी के अनुसार बस्तर जिले के 40,667 किसानों को 205.95 करोड़ रुपये की आदान सहायता राशि का वितरण किया गया। जिसमें मोटा धान पर 731 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रोत्साहन राशि सीधे किसानों के बैंक खाते में अंतरित की गई है। जिले में इस योजना का सर्वाधिक लाभ बकावण्ड और बस्तर ब्लॉक के किसानों को मिल रहा है, जहाँ क्रमशः 67.90 करोड़ रुपए और 55.78 करोड़ रुपए की राशि सीधे किसानों के बैंक खाते में अंतरित की गई।

## देवी कथा से नैतिकता और संस्कारों का उदय होता है : कुलबीर सिंह छाबड़ा

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

मां भानेश्वरी देवी की कृपा से ग्राम सिंघोला बजरंग चौक में जय श्री राधे-राधे भागवत समिति व ग्रामवासियों द्वारा नौ दिवसीय श्रीमद् देवी भागवत महापुराण कथा का आयोजन 20 से 28 फरवरी तक किया गया। जिसमें प्रवचनकर्ता पंडित भूपेन्द्र पाण्डे द्वारा मां भगवती के नौ रूपों के साथ-साथ देव अवतारों की कथा का विस्तार से प्रवचन किया।

शुक्रवार सप्तमी को मां सावित्री देवी, मां मनसा देवी एवं राजा परीक्षित मोक्ष व सहचढ़ोतरी में समाजसेवी व पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा शामिल होकर देवी महापुराण का श्रवण किया इससे पूर्व प्रवचनकर्ता को शॉल-श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद लिया।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने मां भगवती से ग्रामवासियों की सुख-शांति व समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि आदिशक्ति की भक्ति से सभी कष्ट दूर होते हैं, देवी कथा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज को नैतिकता और संस्कारों का उदय होता है। मां जगदम्बा की आराधना से व्यक्ति में साहस, करुणा और सेवा-भाव का विकास होता है, समाज में एकता, सद्भाव और नारी-सम्मान को बढ़ावा मिलता है। मां देवी शक्ति हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। श्री छाबड़ा ने श्रोतासमाज को आव्हान करते हुए कहा कि विनम्रता, सेवा और देवी-भक्ति के मार्ग पर चले आज के समय में भी मां आदिशक्ति उतना ही प्रासंगिक है, जितना प्राचीन काल में था।

अंत में श्री छाबड़ा ने आयोजक समिति और श्रद्धालुओं की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से सामाजिक समरसता मजबूत होती है और युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिलता है। इस दौरान प्रमुख रूप से पूर्व जनपद सदस्य योगेन्द्र वैष्णव, भोज साहू, छोटू सिघोलिया, नरोत्तम साहू, राजकुमार, तुलसी हिरवानी, जसवंत, ईश्वर निषाद, मुकेश साहू, रिंकू पाण्डे, सरोज साहू, उमिर्ला साहू, देवकी निषाद, आमेश बाई साहू, युवती साहू, रूखमणी साहू, ओम बाई साहू, गणेशी, परमेश, नम्रता, खिलेश, सुनिता, केंवरा, विभा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

## पेयजल को लेकर सभी अधिकारी अगले 3 महीने अलर्ट मोड पर काम करें-प्रतीक उमरे

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

दुर्ग नगर निगम के पूर्व एल्डरमैन भाजपा नेता डॉ. प्रतीक उमरे ने दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह से गर्मी में पेयजल संकट से निजात के लिए वैकल्पिक काययीजना तैयार कर पेयजल को लेकर सभी जिम्मेदार अधिकारियों को अगले तीन महीने अलर्ट मोड पर काम करने निर्देशित करने का आग्रह किया है।

डॉ. प्रतीक उमरे ने कहा कि मार्च महीने के आते ही दुर्ग निगम क्षेत्र में पेयजल संकट गहराने लगता है, पेयजल संकट की समस्या विकराल हो जाती है,जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है। जिसकी वजह से लोगों को पानी के लिए जूझना पड़ता है। गिरते भू जल स्तर के कारण दुर्ग में गर्मी के दिनों में हर साल पानी की समस्या होती है ।साल दर साल समस्या बढ़ते ही जा रही है। जिसपर प्रशासन को गंभीर होना आवश्यक है। हर साल गर्मी के दिनों में जलसंकट की स्थिति बनती रही है। बावजूद इसके अब तक जिम्मेदार अधिकारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया है। प्रशासन द्वारा पेयजल आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए कागजों में करोड़ों की कार्ययोजना बनाई जाती है ताकि समस्या समाप्त की जा सके,लेकिन कहीं भी पेयजल संकट से मुक्ति नहीं मिल पाई है, पेयजल आपूर्ति में अवरोध बहुत ही गंभीर समस्या है, जिसपर तत्काल रोक लगाना आवश्यक है। डॉ. प्रतीक उमरे ने गर्मी में दुर्ग में किसी भी प्रकार पेयजल आपूर्ति में समस्या ना हो इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था बनाने तथा सभी वार्डों में नियमित मॉनिटरिंग और समस्या आने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह दुर्ग कलेक्टर से किया है।

## महापौर सिन्हा प्रतिदिन सुबह वार्ड का कर रही हैं भ्रमण

*नई दृष्टिबिंदु / रिसाली*

नगर पालिका निगम रिसाली की प्रथम महापौर श्रीमती शशि अशोक सिन्हा प्रतिदिन सुबह वार्ड का भ्रमण करती है। वे अपने एमआईसी मेंबरगण व कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं सहित वार्ड 16 पार्षद विनय नेताम एवं 29 के पार्षद विलास बोरकर के साथ उनके वार्ड में भ्रमण किया।

सुबह 7 बजे वार्ड 16 और 29 में पहुंची महापौर श्रीमती शशि अशोक सिन्हा जिनके साथ नगर पालिका निगम रिसाली के अधिकारीगणों के साथ वार्ड के समस्याओं से अवगत हुई साफ-सफाई के कार्य को देखा उसके बाद कुछ समस्या के विषय में

नगर पालिका निगम रिसाली के अधिकारीगण को निराकरण के संबंध में कहा। वार्ड में भ्रमण के दौरान वहां समस्या के बारे में पता चलता है और समस्याओं का समाधान भी होता जो महापौर श्रीमती शशि अशोक सिन्हा अपने टीम के साथ वार्ड भ्रमण में कर रही है।

यह एक सराहनीय कदम है और उनके साथ रिसाली निगम के एमआईसी मेंबर, पार्षद, अधिकारी एवं कांग्रेस संगठन के साथी भी दौरा कर रहे हैं। जितने भी लोग सुबह-सुबह अपना समय दे रहे हैं। प्रत्येक वार्ड में पहुंचकर जनसमस्याओं को दूर कर रहे हैं। इस दौरान प्रमुख रुप से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मुकुंद कुमार भाऊ, अनिल देशमुख, जहीर अब्बास, संजू नेताम, रोहित धनकर, वार्ड पार्षद विलास बोरकर, पूर्व पार्षद चुम्मन देशमुख, राजेंद्र रजक, कांग्रेस के वरिष्ठ साथी गुलाब दास मानिकपुरी, मुन्ना समद, एनएसयूआई के सुरेन्द्र बाघमारे, मनीष साहू, युवा कांग्रेस नेता दिपांकर साहू, राहुल साहू सहित वार्ड के कांग्रेसजनों के साथ मिलकर वार्डो का भ्रमण किया गया।

# खैरागढ़ महाविद्यालय में युवा संसद का हुआ आयोजन

*नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़*

मेरा युवा भारत खैरागढ़ -छुईखदान -गण्डई के द्वारा रानी रश्मि देवी सिंह शासकीय महाविद्यालय खैरागढ़ में प्राचार्य डॉ.ओपी गुप्ता के कुशल नेतृत्व में "आपातकाल के पचास वर्ष : लोकतंत्र के लिए सबक" विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम संपन्न। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन एवं अतिथि सत्कार से हुआ।

संस्था प्रमुख डॉ. ओपी गुप्ता ने स्वागत उद्बोधन में बताया कि भारत को कैसे विकास की सीढ़ी में आगे बढ़ाया जा सकता है।। मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष खैरागढ़ गिरिजा चंद्राकर ने कार्यक्रम के लिए महाविद्यालय परिवार और जिले के अन्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों, प्राध्यापकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। इस गरिमामय कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मोनिका रजक, अध्यक्ष जनभागीदारी समिति नवीन शासकीय कन्या महाविद्यालय खैरागढ़, डॉ. जयती विश्वास, प्राचार्य शासकीय वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी महाविद्यालय छुईखदान, देविन कोठले पार्षद नगर पालिका खैरागढ़ एवं तपन कुमार साहू कार्यक्रम सहायक, मेरा युवा भारत राजनंदगांव उपस्थित रहे।

प्रथम तकनीकी सत्र में विभिन्न विद्यार्थियों के द्वारा आपातकाल विषय पर अपनी प्रतिभा दिखाते हुए अद्भुत साहस का परिचय दिया। यह कार्यक्रम डॉ.जितेन्द्र कुमार साखरे के संयोजन में संपन्न हुआ । इस प्रतियोगिता में 120 छात्र-छात्राओं ने आनलाइन लिंक के माध्यम से पंजीकृत हुए थे। जिसमें से 30 प्रतिभागियों ने भौतिक रूप से अपनी उपस्थिति दी। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर देवेन्द्र पटेल, द्वितीय स्थान दुर्गेश्वर जंघेल, तीसरे स्थान पर टिकेंद्र वर्मा, चौथे स्थान पर गीतेश पटेल और पांचवें स्थान पर मधु कोसरे रही। विजेता प्रतिभागी राज्य स्तरीय युवा संसद 2026 प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस कार्यक्रम में दोनों ही महाविद्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उमेंद कुमार चंदेल ने एवं आभार प्रदर्शन यशपाल जंघेल ने किया।

## झूलेलाल जयंती 20 को, तैयारियो को लेकर हुई बैठक

**राजनांदगांव ।** सिंधी समाज द्वारा अपने आराध्य देव भगवान झूलेलाल की 1076 वीं जयंती 20 मार्च को धूमधाम से मनाई जाएगी। पूज्य सिंधी पंचायत के वरिष्ठ अर्जुन दास पंजवानी,आवतराम तेजवानी एवं ब्रम्हानंद बजाज ने बताया कि आज झूलेलाल नगर स्थित सिंधु भवन में विराट बैठक आयोजित की गई जिसमें निर्णय लिया गया कि समाज द्वारा 20 मार्च को सभी प्रतिष्ठान बंद किए जाएंगे और जयंती के पूर्व तीन दिवसीय कार्यक्रमों की तैयारी के लिए युवाओं को जवाबदारी देने हेतु बैठक में चर्चा की गई और तैयारीयों को मूर्त रूप दिया गया ।शहर को दुल्हन की तरह सजाया जाएगा एवं आकर्षक एवं मनमोहक शोभायात्रा भी निकलेगी साथ ही विविध कार्यक्रम भी होंगे ।बैठक का मंच संचालन लोकचंद लहरवानी एवं आभार अर्जुनदास गंगवानी द्वारा किया गया । बैठक में प्रमुख रूप से अर्जुनदास पंजवानी, आवत राम तेजवानी, अध्यक्ष मन्नू मल मोटलानी , ब्रह्मानंद बजाज, गुरमुखदास वाधवा, भीमन धनवानी,अर्जुन वाधवानी, आसर जुमनानी, रूपचंद भीमनानी , भोजराज बजाज हरीश मोटलानी, हरीश सोनी,कमल गंगवानी, डॉक्टर करतार सिंह कंजवानी, अशोक तेजवानी,टेकचंद बजाज, रमेश गिडवानी, रूपलाल राजवानी, दीपक चंदानी, नितिन बत्रा, कौशल शर्मा, राजकुमार परचानी, मुरली पंजवानी, पंकज जेठानी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे ।

# वुडबॉल संघ के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय मंच पर जलवा, जीते सिल्वर मेडल

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

भोपाल में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वुडबॉल प्रतियोगिता 2025-26 में सरगुजा जिला वुडबॉल संघ के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले को गौरवान्वित किया। संघ के प्रतिभाशाली खिलाड़ी संदीप सिन्हा एवं साक्षी कुमारी ने संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए मिक्स डबल इवेंट में शानदार प्रदर्शन कर सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि स्ट्रोक इवेंट मिक्स डबल इवेंट में संदीप सिन्हा और साक्षी कुमारी ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीतकर सरगुजा को गौरवान्वित किया है। विगत कई वर्षों से सरगुजा के खिलाड़ी वुडबॉल प्रतियोगिताओं में निरंतर पदक जीतते आ रहे हैं, जो संघ की नियमित प्रशिक्षण व्यवस्था और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है। दोनों खिलाड़ी के.आर. टेक्निकल कॉलेज में अध्ययनरत हैं।

प्रतियोगिता में प्रीतम जायसवाल, प्रियांशु कुशवाहा, दीपक, निखिल गुप्ता एवं निशांत भगत तथा महिला वर्ग में अंजिल प्रीति टोप्पो, स्नेहा जायसवाल, श्रीजल जायसवाल, मोनालिसा तिग्गा एवं उमिर्ला एक्का ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने वाले सरगुजा के राष्ट्रीय रेफरी रजत सिंह एवं आकाश दुबे को आयोजकों द्वारा सम्मानित किया गया।

## होलाष्टक की पौराणिक कथा

फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से लेकर पूर्णिमा तिथि तक होलाष्टक माना जाता है। होलाष्टक होली दहन से पहले के 8 दिनों को कहा जाता है। होलाष्टक के संबंध में 2 कथाएं प्रचलित है। पहली कथा भक्त प्रहलाद से जुड़ी है और दूसरी कथा कामदेव से।

पहली कथा के अनुसार भक्त प्रहलाद को उसके पिता ने हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र की भक्ति को भंग करने और उनका ध्यान अपनी और करने के लिए लगातार 8 दिनों तक उन्हें तमाम तरह की यातनाएं और कष्ट दिए थे। इसलिए कहा जाता है कि, होलाष्टक के इन 8 दिनों में किसी भी तरह का कोई शुभ कार्य नहीं करना चाहिए। यह 8 दिन वहीं होलाष्टक के दिन है। होलिका दहन के बाद ही जब प्रहलाद जीवित बच जाता है तो उसकी जान बच जाने की खुशी में ही दूसरे दिन रंगों की होली मनाई जाती है।

दूसरी कथा के अनुसार देवताओं के कहने पर शिवजी की तपस्या भंग करने के कारण जब कामदेव को शिवजी अपने तीसरे नेत्र से भस्म कर देते हैं तब कामदेव की पत्नि शिवजी से उन्हें पुनर्जीवित करने की प्रार्थना करती है। रति की भक्ति को देखकर शिवजी इस दिन कामदेव को दूसरा जन्म में उन्हें फिर से रति मिलन का वचन दे देते हैं। कामदेव बाद में श्रीकृष्ण के यहां प्रद्युम्न रूप में जन्म लेते हैं।

## होलाष्टक के दौरान उग्र स्वभाव में रहते हैं ग्रह

होलाष्टक के दौरान किसी भी तरह के शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित होते हैं। होली आने की पूर्व सूचना होलाष्टक से प्राप्त होती है। इसी दिन से होली उत्सव के साथ-साथ होलिका दहन की तैयारियां भी शुरू हो जाती है।

होलाष्टक के दौरान सभी ग्रह उग्र स्वभाव में रहते हैं जिसके कारण शुभ कार्यों का अच्छा फल नहीं मिल पाता है। होलाष्टक प्रारंभ होते ही प्राचीन काल में होलिका दहन वाले स्थान की गोबर, गंगाजल आदि से लिपाई की जाती थी। साथ ही वहां पर होलिका का डंडा लगा दिया जाता था जिनमें एक को होलिका और दूसरे को प्रह्लाद माना जाता है।

होलाष्टक के दौरान अष्टमी को चंद्रमा, नवमी को सूर्य, दशमी को शनि, एकादशी को शुक्र, द्वादशी को गुरु, त्रयोदशी को बुध, चतुर्दशी को मंगल और पूर्णिमा को राहू उग्र स्वभाव में रहते हैं। इन ग्रहों के उग्र होने के कारण मनुष्य के निर्णय लेने की क्षमता कमजोर हो जाती है जिसके कारण कई बार उससे गलत निर्णय भी हो जाते हैं जिसके कारण हानि की आशंका बढ़ जाती है। जिनकी कुंडली में नीच राशि के चंद्रमा और वृश्चिक राशि के जातक या चंद्र छठे या आठवें भाव में हैं उन्हें इन दिनों अधिक सतर्क रहना चाहिए।

# होलाष्टक शुरू

## इन दिनों में नहीं किए जाते शुभ कार्य

**होलाष्टक फाल्गुन शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से शुरू होकर फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा तक रहते है। यानी होलिका दहन के साथ ही होलाष्टक का समापन होता है। अष्टमी तिथि से शुरू होने कारण भी इसे होलाष्टक कहा जाता है।**

होलाष्टकों को व्रत, पूजन और हवन की दृष्टि से अच्छा समय माना गया है। इन दिनों में किए गए दान से जीवन के कष्टों से मुक्ति मिलती है। होलाष्टक के दौरान विवाह, गृहप्रवेश, मुंडन, नामकरण और विद्यारंभ आदि सभी मांगलिक कार्य या कोई नवीन कार्य प्रारम्भ करना शास्त्रों के अनुसार उचित नहीं माना गया है। लेकिन इन दिनों को अशुभ मानने के पीछे धर्मग्रंथों में दो कथाएं बताई गई हैं।

### भक्ति पर हुआ आघात

पौराणिक मान्यता के अनुसार भक्त प्रह्लाद राक्षस कुल में जन्मे थे परन्तु वे भगवान नारायण के अनन्य भक्त थे।उनके पिता हिरण्यकश्यप को उनकी ईश्वर भक्ति अच्छी नहीं लगती थी इसलिए हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को अनेकों प्रकार के जघन्य कष्ट दिए।मान्यता है कि होली से पहले के आठ दिन यानी अष्टमी से पूर्णिमा तक प्रहलाद को बहुत अधिक यातनाएं दी गई थीं।अंत में होलिका ने प्रह्लाद को लेकर अग्नि में प्रवेश किया, लेकिन प्रह्लाद बच गए और वह खुद जल गई।अष्टमी से पूर्णिमा तक प्रहलाद को जघन्य कष्ट दिए जाने के कारण नवग्रह भी क्रोधित हो गए। ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार अब भी अष्टमी से पूर्णिमा तक नवग्रह भी उग्र रूप लिए रहते है ,यही वजह है कि इस अवधि में किए जाने वाले शुभ कार्यों में अमंगल होने की आशंका बनी रहती है। इन दिनों में व्यक्ति के निर्णय लेने की शक्ति भी कमजोर हो जाती है। इसलिए होलाष्टक में शुभ कार्यों को करने की मनाही होती है।

### शिव के क्रोध से भस्म हुए कामदेव

एक अन्य कथा के अनुसार हिमालय पुत्री पार्वती चाहती थीं कि उनका विवाह भोलेनाथ से हो, लेकिन शिवजी अपनी तपस्या में लीन थे। देवताओं के अनुरोध पर कामदेव ने अपना प्रेम का पुष्प वाण चलाकर शिवजी की तपस्या को भंग कर दिया । इससे महादेव अत्यंत क्रोधित हो गए,उन्होंने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से कामदेव को भस्म कर दिया। प्रेम के देवता कामदेव के भस्म होते ही सारी सृष्टि में शोक व्याप्त हो गया। अपने पति को पुनः जीवित करने के लिए रति ने अन्य देवी-देवताओं सहित महादेव से प्रार्थना की। प्रसन्न होकर भोले शंकर ने कामदेव को पुर्नजीवन का आशीर्वाद दिया । फाल्गुन शुक्ल अष्टमी को कामदेव भस्म हुए और आठ दिन बाद महादेव से रति को उनके पुर्नजीवन का आशीर्वाद प्राप्त हुआ ।इन आठ दिनों में सारी सृष्टि शोक से व्याकुल रही थी। मान्यता है कि तभी से होलाष्टक के इन आठ दिनों में कोई भी शुभ कार्य सम्पन्न नहीं किया जता है।

## होलाष्टक के समय क्या करें और क्या नहीं

**फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से लेकर पूर्णिमा तिथि तक होलाष्टक माना जाता है। होली के 8 दिन पहले होलाष्टक प्रारंभ हो जाता है। इन आठ अशुभ दिनों को होलाष्टक कहते हैं। इन आठ दिनों में कोई भी मांगलिक कार्यों को करना निषेध होता है। इस समय मांगलिक कार्य करना अशुभ माना जाता है।**

**होलाष्टक में वर्जित कार्य** :विवाह करना, वाहन खरीदना, घर खरीदना, भूमि पूजन, गृह प्रवेश, कोई नया कार्य प्रारंभ करना एवं अन्य प्रकार के मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं।

**क्या करना चाहिए** :होलाष्टक में पूजा-पाठ करने और भगवान का स्मरण भजन करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि होलाष्टक में कुछ विशेष उपाय करने से कई प्रकार के लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं। होलाष्टक के दौरान श्रीसूक्त व मंगल ऋण मोचन स्त्रोत का पाठ करना चाहिए जिससे आर्थिक संकट समाप्त होकर कर्ज मुक्ति मिलती है ।इस दौरान भगवान नृसिंह और हनुमानजी की पूजा का भी महत्व है। होलाष्टक के प्रारंभ होने वाले दिन एक स्थान पर दो डंडे स्थापित किए जाते हैं। जिनमें से एक डंडा होलिका का प्रतीक तो दूसरा डंडा प्रहलाद का प्रतीक माना जाता है। इसके बाद इन डंडों को गंगाजल से शुद्ध करके के बद्द इन डंडों के इर्द-गिर्द गोबर के उपले, लकड़ियां, घास और जलाने वाली अन्य चीजें इकट्ठा की जाती है और इन्हें धीरे-धीरे बड़ा किया जाता है और अंत में होलिका दहन वाले दिन इसे जला दिया जाता है।

## होलाष्टक के वर्जित कार्य कौन-कौन से हैं

फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से लेकर पूर्णिमा तिथि तक होलाष्टक माना जाता है। इस वर्ष होलिका दहन के बाद अगले दिन रंगों वाली होली खेली जाएगी। होलाष्टक के दौरान प्रमुख रूप से 10 कार्य वर्जित होते हैं। होलाष्टक में वर्जित कार्य :

- विवाह करना
- वाहन खरीदना
- घर खरीदना
- भूमि पूजन
- गृहप्रवेश
- 16 संस्कार
- यज्ञ, हवन या होम
- नया व्यापार शुरु करना
- नए वस्त्र या कोई वस्तु खरीदना
- यात्रा करना

होलाष्टक को ज्योतिष की दृष्टि में एक दोष माना जाता है। विवाहिताओं को इस दौरान मायके में रहने की सलाह दी जाती है। विशेष रूप से इस समय विवाह, नए निर्माण व नए कार्यों को आरंभ नहीं करना चाहिए। ऐसा ज्योतिष शास्त्र का कथन है। अर्थात इन दिनों में किए गए कार्यों से कष्ट, अनेक पीड़ाओं की आशंका रहती है तथा विवाह आदि संबंध विच्छेद और कलह का शिकार हो जाते हैं या फिर अकाल मृत्यु का खतरा या बीमारी होने की आशंका बढ़ जाती है।

## जानिए रंगों का मन पर कैसा होता है असर

**होली रंगों का त्योहार है, और रंगों से ही इसका असली मजा है। रंगों का इस्तेमाल केवल मस्ती या मजे के लिए ही नहीं किया जाता, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही धार्मिक, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि से भी इन रंगों का विशेष महत्व है। जानिए इन रंगों का महत्व**

### लाल रंग

लाल रंग ऊर्जा, साहस, महत्वाकांक्षा, क्रोध, उत्तेजना, उत्साह और पराक्रम का प्रतीक है। वहीं इस रंग को प्रेम और कामुकता का प्रतीक भी माना जाता है। लाल रंग द्वारा रक्त व हृदय संबंधी समस्याओं और मानसिक क्षीणता, आत्मविश्वास की कमी जैसी समस्याओं को हल किया जाता है। वहीं धार्मिक दृष्टि से भी लाल रंग का अत्यधिक महत्व है। देवी साधना में यह बेहद महत्वपूर्ण है।

### सफेद

सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। यह अशांत मन को शांति प्रदान करता है, विद्या प्राप्ति में सहायता करता है और जीवन में सकारात्मकता का संचार कर मन और मस्तिष्क में सात्विकता प्रदान कर शुद्ध करता है। अत्यधिक क्रोधी स्वभाव के लोगों के लिए यह रंग बेहद सकारात्मक है।

### हरा

हरा रंग शीतलता, ताजगी, हरियाली, सकारात्मकता, अपरिवर्तनशीलता, गौरव, प्रसन्नता का प्रतीक है। यह तनाव दूर कर, नाड़ी संबंधी रोगों, लिवर, आंत के रोगों एवं रक्त शोधन के लिए महत्वपूर्ण है। यह आत्मविश्वास, प्रसन्नता और शीतलता प्रदान करता है। इसे बुद्धि का रंग भी कहा जाता है। हरा रंग सौभाग्य और समृद्धि का भी सूचक है।

### नीला

नीला रंग प्रेम, कोमलता, विश्वास, स्नेह, वीरता, पौरुषता को दर्शाता है। यह रक्तचाप, सांस संबंधी रोगों व आंखों के लिए फायदेमंद होता है। धार्मिक और ज्योतिष की दृष्टि से भी इस रंग का काफी महत्व है। हल्का नीला यानि आसमानी रंग शरीर में जल तत्व का प्रतिनिधित्व करता है और आध्यात्मिक विकास को दर्शाता है।

### पीला

पीला रंग आरोग्य, शांति, सुकून, योग्यता, ऐश्वर्य और यश को दर्शाता है, वहीं हल्का पीला रंग बीमारी का सूचक है। पित्त व पाचन संबंधी समस्याओं में यह लाभकारी है। पीला रंग युवावस्था को भी दर्शाता है। यह बौद्धिक विकास को भी दर्शाता है और खुशी का अनुभव कराता है। पीला रंग स्पष्टवादिता का भी प्रतीक है।

## क्या होता है होली का डंडा, कब इसे गाड़ा जाता है

**हिन्दू धर्म में होली का त्योहार एक प्रमुख त्योहार है। इसे संपूर्ण देश में किसी ना किसी रूप में मनाते हैं। आखिर इस पर्व की शुरुआत कब से होती है और इस त्योहार में होली का डंडा क्यों रोपण किया जाता है।**

वसंत ऋतु के प्रारंभ होते ही इस त्योहार की शुरुआत हो जाती है। कई जगह पर 'माघ पूर्णिमा' से ही इस त्योहार की शुरुआत हो जाती है। ब्रजमंडल में खासकर मथुरा में लगभग 45 दिन के होली के पर्व का आरंभ वसंत पंचमी से ही हो जाता है। बसंत पंचमी पर ब्रज में भगवान बांकेबिहारी ने भक्तों के साथ होली खेलकर होली महोत्सव की शुरुआत की जाती है।

**कब गाड़ा जाता है होली डंडा** :भारत में कई जगह तो फाल्गुन मास प्रारंभ होते ही होली का डांडा रोपड़ कर होली उत्सव का प्रारंभ हो जाता है तो कई जगहों पर होलाष्टक पर डांडा रोपणकर इस उत्सव की शुरुआत की जाता ही। कई जगह पर माघपूर्णिमा के दिन से ही होली का डांडा रोप दिया जाता है। हालांकि अब अधिकांश जगह यह डांडा होलिका दहन के एक दिन पूर्व ही रोपण कर खानापूर्ति की जाती है। जबकि असल में यह डांडा होली से ठीक एक महीने पहले 'माघ पूर्णिमा' को रोपण होता है।

**क्या होता है होली का डंडा** :होली के उत्सव का पहला काम होली का डंडा या डांडा चौराहे पर गाड़ना होता है। होली का डंडा एक प्रकार का पौधा होता है, जिसे सेम का पौधा कहते हैं। हालांकि कई जगहों पर एक स्थान पर दो डंडे स्थापित किए जाते हैं। जिनमें से एक डंडा होलिका का प्रतीक तो दूसरा डंडा प्रहलाद का प्रतीक माना जाता है। इसके बाद इन डंडों को गंगाजल से शुद्ध करके के बाद इन डंडों के इर्द-गिर्द गोबर के उपले, लकड़ियां, घास और जलाने वाली अन्य चीजें इकट्ठा की जाती है और इन्हें धीरे-धीरे बड़ा किया जाता है और अंत में होलिका दहन वाले दिन इसे जला दिया जाता है।

**क्या करते हैं डंडा गाड़ने के बाद** :इस डंडे के आसपास लकड़ी और कंडे जमाकर रंगोली बनाई जाती और फिर विधिवत रूप से होली की पूजा की जाती है। कंडे में विशेष प्रकार के होते हैं जिन्हें भरभोलिए कहते हैं। भरभोलिए गाय के गोबर से बने ऐसे उपले होते हैं जिनके बीच में छेद होता है। इस छेद में मूंज की रस्सी डाल कर माला बनाई जाती है। एक माला में सात भरभोलिए होते हैं। होली में आग लगाने से पहले इस माला को भाइयों के सिर के ऊपर से सात बार घूमा कर फेंक दिया जाता है। रात को होलिका दहन के समय यह माला होलिका के साथ जला दी जाती है। इसका यह आशय है कि होली के साथ भाइयों पर लगी बुरी नजर भी जल जाए। फाल्गुन मास की पूर्णिमा की रात्रि को होलिका दहन किया जाता है। होलिका दहन के पहले होली के डंडा को निकाल लिया जाता है। उसकी जगह लकड़ी का डंडा लगाया जाता है। फिर विधिवत रूप से होली की पूजा की जाती है और अंत में उसे जला दिया जाता है। होलिका में भरभोलिए जलाने की भी परंपरा है।

# दुर्ग संकुल में हुई निपुण बैठक कार्यशाला : आधारभूत साक्षरता

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में दुर्ग संकुल स्तरीय निपुण बैठक कार्यशाला का आयोजन गरिमामय एवं शैक्षिक ऊर्जा से परिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर दुर्ग संकुल के प्राचार्य, प्रतिनिधि शिक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों कवर्धा, सीआईएफ भिलाई, बीएमआई, दुर्ग, खैरागढ़, डोंगरगढ़, बेमेतरा तथा राजनंदगांव से पधारे शिक्षकों ने सक्रिय, सार्थक एवं उद्देश्यपूर्ण सहभागिता की। कार्यशाला का मुख्य संचालन कमल नारायण सोनी, प्रधानाध्यापक दुर्ग द्वारा अत्यंत प्रभावशाली, अनुशासित एवं समन्वित रूप से किया गया, जिसने संपूर्ण आयोजन को सुव्यवस्थित दिशा प्रदान की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में संकुल प्रभारी प्राचार्य सुशील कुमार के नेतृत्व में आगंतुक प्रतिभागियों का स्वागत हरित उपहार के माध्यम से किया गया। विद्यालय के प्राथमिक विभाग के विद्यार्थियों के साथ प्रभारी प्राचार्य महोदया ने सभी अतिथियों का अभिनंदन कर पर्यावरण संरक्षण एवं शैक्षिक संस्कारों का सुंदर संदेश प्रस्तुत किया। इसके पश्चात अटल टिंकरिंग लैब में विद्यार्थियों द्वारा मिट्टी, बाँस एवं अन्य सहायक सामग्रियों से निर्मित शैक्षिक मॉडलों तथा अभिनव अधिगम सामग्री की प्रदशर्नी का अवलोकन किया गया। विद्यार्थियों की सृजनात्मकता, कौशल एवं प्रयोगधर्मी सोच ने उपस्थित शिक्षकों को विशेष रूप से प्रभावित किया और विद्यालयीन नवाचार की सशक्त झलक प्रस्तुत की।

माँ सरस्वती वंदना के साथ औपचारिक उद्घाटन सत्र का शुभारंभ हुआ। स्वागत भाषण में पुष्पा बड़ा ने निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों, आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक दक्षता की समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण प्राप्ति की आवश्यकता पर बल देते हुए कायर्शाला को परिणामोन्मुख बनाने का आह्वान किया। प्राथमिक विभाग के विद्यार्थियों ने डॉ. श्रावणी सिंह, संगीत शिक्षिका के निर्देशन में सुमधुर

स्वागत गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को गरिमा एवं सांस्कृतिक ऊष्मा प्रदान की। प्रभाती लता मुखर्जी की सक्रिय सहभागिता एवं शैक्षिक योगदान भी उल्लेखनीय रहा।

द्वितीय सत्र में वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर के प्रभावी क्रियान्वयन, अधिगम स्तर के सतत एवं समग्र मूल्यांकन, नवाचार आधारित शिक्षण-पद्धतियों, कक्षा-कक्ष में क्रियात्मक अधिगम वातावरण के निर्माण तथा निपुण लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु ठोस एवं व्यवहारिक कार्ययोजना पर विस्तृत मंथन किया गया। सुशील कुमार, भूबनेश्वरी, प्रभा मिंज, पुष्पा बड़ा, अंजय कुमार, सीमांचल प्रधान, भारती यदु, तोरण प्रसाद ठाकुर, नीतेश कुमार, फूलचंद, योगेंद्र कुमार, दानी गिरिया, विनोद कुमार परते तथा प्रभाती लता मुखर्जी ने अपने-अपने विद्यालयों में संचालित नवाचारी प्रयासों, शैक्षणिक उपलब्धियों एवं चुनौतियों को तथ्यपरक ढंग से प्रस्तुत किया। सहभागी विमर्श ने यह स्पष्ट किया कि प्रतिबद्ध शिक्षक, प्रभावी कक्षा-प्रबंधन, समृद्ध शिक्षण-सामग्री, अभिभावक सहभागिता एवं नियमित प्रगति समीक्षा के माध्यम से निपुण लक्ष्य को सुनिश्चित किया जा सकता है।

समापन अवसर पर संकुल प्रभारी प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में सामूहिक उत्तरदायित्व एवं शैक्षिक गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया। तत्पश्चात मुख्य अध्यापक कमल नारायण सोनी ने सभी प्राचार्यों एवं प्रतिनिधि शिक्षकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि प्रत्येक विद्यालय आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक दक्षता के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु सुनियोजित, सतत एवं परिणामोन्मुख प्रयास करता रहेगा। यह कायर्शाला न केवल शैक्षिक संवाद का सशक्त मंच सिद्ध हुई, बल्कि दुर्ग संकुल की समर्पित शैक्षिक दृष्टि और सामूहिक संकल्प का प्रेरक उदाहरण भी बनी।

निपुण कार्य योजना का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बालक निर्धारित कक्षा स्तर तक पहुँचने से पूर्व पढ़ने, समझने, लिखने एवं गणना करने की आधारभूत दक्षताओं में पारंगत हो। इस योजना के अंतर्गत प्रारंभिक कक्षाओं में अधिगम अंतर की पहचान, लक्ष्य आधारित शिक्षण, दक्षता-आधारित मूल्यांकन, सतत शिक्षक प्रशिक्षण तथा अभिभावक सहभागिता को विशेष महत्व दिया जाता है। समयबद्ध लक्ष्य निर्धारण, मासिक प्रगति समीक्षा एवं शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं में नवाचार के माध्यम से ही निपुण मिशन का उद्देश्य सार्थक रूप से पूर्ण किया जा सकता है। दुर्ग संकुल के समस्त विद्यालयों ने इसी प्रतिबद्धता के साथ प्रत्येक बालक को निपुण बनाने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया।

# विज्ञान केवल सैद्धांतिक ज्ञान नहीं, बल्कि अभ्यास और प्रयोग से विकसित होने वाली विधा है-प्राचार्य

## विज्ञान में महिलाएं, विकसित भारत की सशक्त प्रेरणा, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विविध कार्यक्रमों का किया गया आयोजन

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस अत्यंत उत्साह, वैज्ञानिक चेतना और छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता के साथ मनाया गया। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय विज्ञान में महिलाएं: विकसित भारत की उत्प्रेरक रहा, जिसने भारत की वैज्ञानिक प्रगति में महिलाओं की निर्णायक भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना तथा राष्ट्र निर्माण में विज्ञान की भूमिका को सुदृढ़ रूप से स्थापित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ महान वैज्ञानिक सी वी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। प्रतिवर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस इसलिए मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन वर्ष 1928 में भारतीय भौतिक विज्ञानी सर चंद्रशेखर वेंकट रमन ने रमन प्रभाव की ऐतिहासिक खोज की थी। प्रकाश के प्रकीर्णन से संबंधित इस महत्वपूर्ण खोज के लिए उन्हें वर्ष 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था। भौतिकी के स्नातकोत्तर शिक्षक संजय चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों को इस दिवस के महत्व तथा डॉ. रमन के वैज्ञानिक योगदान के विषय में विस्तार से अवगत कराया और दिनभर आयोजित गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कार्यक्रम की थीम के अनुरूप प्रथम प्रस्तुति विज्ञान में महिलाएं विषय पर केंद्रित रही। बिंदु शिवराजन ने वैदिक काल से आधुनिक युग तक भारतीय महिलाओं के वैज्ञानिक योगदान का उल्लेख करते हुए गर्गी वाचक्नवी तथा अनसूया जैसी विदुषी महिलाओं के उदाहरण प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि प्राचीन भारत में वैज्ञानिक चिंतन अवलोकन, तर्क और प्रकृति के साथ सामंजस्य पर आधारित था। इसके पश्चात कक्षा आठवीं ए के विद्यार्थियों ने बिभा चौधरी पर आधारित प्रेरक लघु नाटिका प्रस्तुत की, जिसमें उच्च ऊर्जा भौतिकी, मेसॉन एवं कॉस्मिक किरणों पर उनके शोध कार्य का सजीव चित्रण किया गया। यह प्रस्तुति विशेष रूप से छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध हुई।

छात्रा ख्याति साहू ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व एवं भारत के वैज्ञानिक राष्ट्र के रूप में उभरने की यात्रा पर प्रभावशाली वक्तव्य दिया। तत्पश्चात कक्षा सातवीं ए के विद्यार्थियों ने दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए निर्मित ब्लाइंड स्टिक का सजीव प्रदर्शन किया, जो अवरोधों की पहचान करने में सक्षम है। इस नवाचार को उसकी सामाजिक उपयोगिता एवं रचनात्मकता के लिए सराहा गया।

अनय एवं उनकी टीम ने दैनिक जीवन में निहित वैज्ञानिक सिद्धांतों का रोचक प्रदर्शन कर विद्यार्थियों को व्यवहारिक विज्ञान से जोड़ा। कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत एक अन्य नाटिका में जिज्ञासा और वैज्ञानिक सोच की शक्ति को विज्ञान प्रश्नोत्तरी के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। माध्यमिक विभाग के कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों ने भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान की भूमिका को पृथ्वी को प्रदूषण और विनाश से बचाने के संदर्भ में प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया और पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास का सशक्त संदेश दिया।

कार्यक्रम के समापन पर उप प्राचार्या महोदया ने प्रेरक उद्बोधन देते हुए कहा कि विज्ञान केवल सैद्धांतिक ज्ञान नहीं, बल्कि अभ्यास और प्रयोग से विकसित होने वाली विधा है। नाट्य प्रस्तुतियों का निर्देशन शीला चाको एवं राजेश कुमार ने किया तथा विज्ञान संकाय के शिक्षकों वीके यादव, दिनेश पाटले, एसके राय और गीता माली के मार्गदर्शन से कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संजीव भदोरिया, एमए नंदनवार, डॉ. अजय आर्य, एमके बोरकर, आशुतोष सिंह एवं मुख्याध्यापक कमल सोनी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समग्र रूप से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का यह आयोजन अत्यंत प्रेरणादायी और ज्ञानवर्धक रहा, जिसने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जिज्ञासा को सशक्त किया और विशेष रूप से महिला वैज्ञानिकों के योगदान को सम्मानित करते हुए विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान की।

# जी राम जी योजना को लेकर जिला भाजपा में हुई मंथन

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

विकसित भारत गारंटी रोजगार फॉर आजीविका मिशन (ग्रामीण)"VB G RAM G" योजना को लेकर भाजपा जिला कार्यालय भिलाई आहूत की गई! इस बैठक में विशेष रूप से बिजेंद्र सिंह प्रदेश संयोजक (VB-GRAMG) छ.ग और श्रीमती सरस्वती बंजारे (अध्यक्ष, जिला पंचायत दुर्ग एवं VB G RAM G जिला संयोजक) भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

बैठक में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने हेतु ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं, श्रमिकों, महिलाओं एवं स्व-सहायता समूहों को रोजगार एवं आजीविका से जोड़ने के लिए VB G RAM G योजना को प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। इस बैठक के मुख्य अतिथि बिजेंद्र सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह मिशन आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके माध्यम से अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक रोजगार और आजीविका के अवसर पहुँचाने का लक्ष्य है। उन्होंने सभी मंडलों एवं बूथ स्तर तक मिशन की जानकारी पहुँचाने तथा लाभार्थियों के पंजीयन एवं मार्गदर्शन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

अध्यक्षता कर रही श्रीमती सरस्वती बंजारे ने कहा कि जिला स्तर पर मिशन के प्रभावी संचालन, पंचायतों की सक्रिय भागीदारी तथा महिलाओं और ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने पर जोर दिया।

इसी कड़ी में मनीष अग्रवाल जिला महामंत्री भाजपा भिलाई विकसित भारत की कल्पना तभी पूरी होगी जब गांव का विकास होगा! बैठक का संचालन श्रीमती सुषमा जेठानी जिला महामंत्री भाजपा भिलाई और आभार व्यक्त श्रीमती रश्मि सिंह जिला मंत्री भाजपा भिलाई ने किया! बैठक में जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, विकसित भारत गारंटी रोजगार फॉर आजीविका मिशन ग्रामीण के जिला व मंडल समिति के सदस्य गण उपस्थित थे।

# वैशाली नगर में धूमधाम से मनाया जाएगा होली महोत्सव श्रीराम सिंधी पंचायत करेगा विविध कार्यक्रमों का आयोजन

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

श्रीराम सिंधी पंचायत, वैशाली नगर भिलाई द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी होली पर्व को सामाजिक एकता, प्रेम एवं भाईचारे के संदेश के साथ भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया है। होली महोत्सव के अंतर्गत होलिका दहन, होली मिलन समारोह, रंगोत्सव, सांस्कृतिक आयोजन एवं पंचायती गुलाल कार्यक्रम सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रमों की शुरुआत 2 मार्च को झूलेलाल धाम, वैशाली नगर भिलाई में आयोजित होलिका दहन से होगी। यह आयोजन गोधूलि बेला में सायं 5 बजे से रात्रि 8 बजे तक संपन्न होगा, जिसमें समाजजन पारंपरिक विधि-विधान के साथ होलिका पूजन एवं दहन करेंगे। इसके पश्चात 04 मार्च 2026 को सार्वजनिक मंच, झूलेलाल धाम में भव्य होली मिलन एवं रंगोत्सव समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 10 बजे प्रारंभ होगा, जिसमें समाज के सदस्य आपसी सौहार्द के साथ एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं देंगे। साथ ही प्रातः 10:30 बजे से चटपटे व्यंजनों की विशेष व्यवस्था भी रहेगी।

महिलाओं की सहभागिता को प्रोत्साहित करने हेतु उसी दिन दोपहर 12:30 बजे से महिला डांड कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें पारंपरिक उत्साह एवं सांस्कृतिक रंग देखने को मिलेंगे। समाज की परंपरा अनुसार गमी वाले परिवारों के सम्मान एवं सहभागिता हेतु विशेष पंचायती गुलाल कार्यक्रम भी रखे गए हैं। महिलाओं के लिए यह कार्यक्रम सोमवार, 02 मार्च 2026 सायं 5 बजे मंदिर प्रांगण, झूलेलाल धाम में आयोजित होगा (प्रतिभागियों से अनुरोध है कि 4:45 बजे तक उपस्थित हों)। वहीं पुरुषों के लिए पंचायती गुलाल कार्यक्रम बुधवार, 04 मार्च 2026 प्रातः 10 बजे सार्वजनिक मंच, झूलेलाल धाम में आयोजित किया जाएगा।

श्रीराम सिंधी पंचायत के अध्यक्ष दिलीप पवानी सहित भीमसेन सेतपाल, प्रतापराय शिवानी, धमर्दास बत्रा, मनोहर थदानी, प्रकाश डिंगा, मनोहर शिवानी, गोपी राजपालानी, अशोक गंगवानी, राम छुगनी, प्रकाश मदनानी, मुकेश गणेशानी एवं अनिल पोपटानी अर्जुन सचदेव अशोक चेतवानी ने समाज के सभी सदस्यों एवं नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर होली पर्व को प्रेम, सद्भाव एवं सामाजिक समरसता के साथ मनाने की अपील की है। उक्त जानकारी श्रीराम सिंधी पंचायत, वैशाली नगर के मीडिया प्रभारी मनोहर कृष्णानी द्वारा प्रदान की गई।

# प्लेटमिल इलेक्ट्रिकल बिरादरी के पुराने सहकर्मी वर्षों बाद मिले : पुरानी यादें ताजा किए

**मिलन समारोह**

### संयंत्र कर्मी सेवानिवृत्त के बाद अपने अनुभवों को परिवार, समाज, युवा पीढ़ी और राष्ट्र हित में निरंतर साझा करें : पंकज गौतम

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

भिलाई इस्पात संयंत्र के इलेक्ट्रिकल बिरादरी के सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का मिलन समारोह भिलाई निवास काफी हाउस सभागार में सौहादर्पूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संयंत्र के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए, जिन्होंने 25-30 वर्षों बाद एक-दूसरे से मिलकर पुरानी यादों को ताजा किया। वे आपस में गले मिले, भावुक हुए, खुशियां बांटी, पुरानी यादें एवं अनुभव साझा किए।

आयोजन में प्रमुख रूप से संयंत्र के पूर्व सीईओ पंकज गौतम, पूर्व वरिष्ठ उच्च अधिकारी गण एसएस वर्मा, वीएन पाल, बाला सुब्रह्मण्यम, उत्तम चंद देवांगन, घनश्याम कुमार देवांगन, बीसी तिवारी, एके पति, सीएस शेषू, एसके श्रीवास्तव, एवीआर मूर्ति, सुशील कुमार सिंह, अखिलेश वर्मा आदि सहित 50 से अधिक

पूर्व अधिकारी एवं कमियों की भागीदारी रही।?

संयंत्र के पूर्व सीईओ पंकज गौतम ने कहा कि संयंत्र कर्मी सेवानिवृत्त के बाद किसी संस्था-समिति से जुड़कर अपने अनुभवों को परिवार, समाज, युवा पीढ़ी और राष्ट्र हित में निरंतर साझा करें। उन्होंने कहा कि समय के साथ तकनीक बदलती है, लेकिन मूल्य, निष्ठा और कर्मठता जैसे गुण सदैव स्थायी रहते हैं। सच्ची सफलता केवल पद या वेतन में नहीं, बल्कि अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण में होती है।

समारोह में सभी सदस्यों को बोलने का मौका दिया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज का यह पावन अवसर हम सभी के लिए केवल एक मिलन नहीं, बल्कि उन अनमोल स्मृतियों को पुनः जीने का अवसर है, जिन्हें हमने अपने कर्मक्षेत्र—भिलाई इस्पात संयंत्र विशेषकर प्लेट मिल इलेक्ट्रिकल में वर्षों की सेवा के दौरान संजोया है। यह मिलन समारोह हमें यह संदेश देता है कि संबंध कभी समाप्त नहीं होते। सेवा से निवृत्ति हो सकती है, लेकिन प्यार, अपनापन, सहयोग और एकता का बंधन सदैव बना रहता है।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत एवं परिचय सत्र से हुई, जिसमें सभी उपस्थित सदस्यों ने अपने वतर्मान जीवन, अनुभवों एवं पुरानी स्मृतियों को साझा किया, जिसने सभी को भावुक कर दिया। मिलन समारोह के दौरान सेवा काल की महत्वपूर्ण घटनाओं, चुनौतियों एवं उपलब्धियों पर चर्चा हुई तथा नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक संदेश भी दिए गए। इस अवसर पर सभी वरिष्ठ साथियों का सम्मान कर उनके योगदान को सराहा गया। पूर्व संयंत्र कर्मी एवं फिल्म कलाकार, निर्माता निर्देशक अखिलेश वर्मा एवं साहित्यकार ललित देवांगन छाया का उनके उल्लेखनीय योगदान एवं उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में प्रवीण कुमार चोपड़ा, सुनील ठाकुर, ललित देवांगन द्वारा गीत, कविता एवं हास्य प्रस्तुतियों ने समां बांधा, जिसका सभी ने भरपूर आनंद लिया। अंत में सभी साथियों ने भविष्य में भी इस प्रकार के मिलन समारोह नियमित रूप से आयोजित करने का संकल्प लिया तथा आपसी संपर्क बनाए रखने हेतु समूह गठन पर सहमति व्यक्त की। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भोजन एवं समूह फोटोग्राफी के साथ हुआ, जिसमें सभी ने एक-दूसरे के साथ पुनः मिलने की सहमति जताई। आयोजन को सफल बनाने में विशेष योगदान देने वाले सुशील कुमार सिंह, सूर्यकांत तिवारी, ललित देवांगन छाया, निर्मल सिंह एवं बलविंदर सिंह का विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन सूर्यकांत तिवारी एवं आभार प्रदर्शन सुशील कुमार सिंह ने किया।

# जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का हुआ आयोजन

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रेरणा सभा कक्ष में महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनों पर जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कायर्शाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महिलाओं तथा बच्चों के अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम, 1956, महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 तथा शी-बाक्स पोर्टल के प्रावधानों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. जाम्बुलकर द्वारा अतिथियों एवं प्रतिभागियों के स्वागत के साथ किया गया। कार्यशाला में अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 के संबंध में एडिशनल एस.पी. चित्रा वर्मा ने विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 के विषय में विषय विशेषज्ञ रचना नायडू ने अधिनियम के प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सभी शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों, संस्थानों, कारखानों, दुकानों, प्रतिष्ठानों एवं शॉपिंग मॉल आदि में, जहां 10 या उससे

अधिक कमर्चारी कार्यरत हैं, वहां आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य है। उन्होंने महिलाओं के कानूनी अधिकारों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक महिला को सुरक्षित कार्यस्थल का अधिकार, घटना के तीन माह के भीतर शिकायत दर्ज करने का अधिकार, गोपनीयता का अधिकार (नाम सार्वजनिक नहीं किया जाएगा), जांच के दौरान सुरक्षा (स्थानांतरण, अवकाश आदि) तथा निष्पक्ष जांच का अधिकार प्राप्त है।

नियोक्ताओं की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि आंतरिक शिकायत समिति का गठन, कर्मचारियों को पॉश प्रशिक्षण प्रदान करना, शिकायतों पर समयबद्ध कार्यवाही, वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना तथा कानून का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। समिति का गठन न करने पर 50,000 रुपये तक जुर्माना एवं लाइसेंस निरस्तीकरण का प्रावधान है। दोष सिद्ध होने पर लिखित माफी, वेतन कटौती, पदावनति, सेवा से निष्कासन तथा आवश्यकतानुसार पुलिस कार्रवाई भी की जा सकती है। कार्यशाला में सभी कार्यालयों को अपने संस्थान एवं आंतरिक शिकायत समिति को शी-बॉक्स पोर्टल पर ऑनबोर्ड करने के संबंध में भी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के अंत में जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय कुमार साहू ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी अशासकीय प्रतिष्ठानों में आंतरिक शिकायत समिति के गठन एवं उसे शी-बॉक्स पोर्टल पर ऑनबोर्ड कराने हेतु संगठन प्रमुखों से सहयोग का अनुरोध किया। इस अवसर पर चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष अनूप गटागट, महिला विंग की अध्यक्ष मानसी गुलाटी, लघु उद्योग भारती की अध्यक्ष सीपी दुबे, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश अध्यक्ष शिव चन्द्राकर, विजय अग्रवाल सहित विभिन्न अशासकीय प्रतिष्ठानों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। महिला एवं बाल विकास अधिकारी तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

# आज सुर संगीत संगम मेलोडी मेकर्स का आयोजन-'लता मंगेशकर नाईट'

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

सांगीतिक संस्था सुर संगीत संगम मेलोडी मेकर्स एवं ऑफीसर्स एसोसिएशन भिलाई इस्पात संयंत्र के संयुक्त तत्वावधान में 115वें अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक गरिमामय एवं भव्य सांगीतिक संध्या लता मंगेशकर नाईट का आयोजन रविवार 1 मार्च को सायं 6:30 बजे से प्रगति भवन, सिविक सेंटर, भिलाई में किया जा रहा है।

यह आयोजन स्वर कोकिला लता मंगेशकर को समर्पित एक संगीतमय श्रद्धांजलि होगी, जिसमें प्रदेश की प्रतिष्ठित गायिकाएं शिप्रा मंडल, रुपाली सखारे, अलका शर्मा, माया बैनर्जी, रीतू मिश्रा, तृप्ति साहू, मंजीता भारद्वाज, शाहीन खान, दीपा बोकाडे, रश्मि घाटे एवं नमिता गांगुली-लता जी के सुपरहिट एवं सदाबहार नगमों की भावपूर्ण प्रस्तुतियां देंगी। कार्यक्रम का संचालन ज्योति धारकर द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि समाजसेविका श्रीमती रजनी बघेल होंगी। विशिष्ट अतिथियों में ब्रह्मकुमारी आशा बहन, बीएसपी ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सेफी चेयरमैन नरेंद्र बंछोर तथा सुप्रसिद्ध डॉ. मीता डे की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम आयोजक महेश कुमार विनोदिया एवं शिप्रा मंडल ने बताया कि यह आयोजन महिला सशक्तिकरण की भावना को समर्पित है और समाज में महिलाओं एवं बालिकाओं के समान अधिकार, न्याय और सशक्त भागीदारी के समर्थन में एक प्रतीकात्मक पहल है। इस अवसर पर अंचल की प्रतिभाशाली महिलाओं का सम्मान मुख्य अतिथि के करकमलों द्वारा किया जाएगा। साथ ही लता जी के अमर गीतों की प्रस्तुति उनके प्रति सम्मान एवं श्रद्धांजलि अर्पित करने का माध्यम बनेगी।

# नगर निगम भिलाई की सख्त कार्रवाई, कुर्की से 1.28 करोड़ से अधिक की वसूली

## 287 बकायादारों पर गिरी गाज, 31 मार्च से पहले संपत्तिकर चुकाने की अपील

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

नगर पालिक निगम भिलाई में राजस्व करों की वसूली को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बकायादारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। निगम द्वारा नोटिस जारी करने के बावजूद भुगतान नहीं करने वाले बकायादारों पर कुर्की वारंट जारी कर प्रभावी वसूली की जा रही है। इस अभियान के अंतर्गत अब तक कुर्की के माध्यम से कुल 287 बकायादारों से 1,28,27,234 की वसूली की जा चुकी है।

निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिन भवनों एवं संस्थानों द्वारा अब भी बकाया राशि जमा नहीं की जा रही है, उनके विरुद्ध संपत्तियों की सीलिंग, जब्ती एवं कुर्की की कार्रवाई भी की जा सकती है। वसूली को तेज करने के लिए निगम के सभी जोन क्षेत्रों में मुनादी एवं विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के अनुसार संपत्ति कर, समेकित कर, जलकर सहित सभी स्रोतों से अब तक 8430.20 लाख का राजस्व निगम को प्राप्त हो चुका है, जबकि वसूली की प्रक्रिया लगातार जारी है।

आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने निगम क्षेत्र के

नागरिकों से अपील की है कि वे अपने राजस्व करों का भुगतान 31 मार्च 2026 से पूर्व सुनिश्चित करें, ताकि 18 प्रतिशत अधिभार एवं अनावश्यक कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि समय पर कर भुगतान से शहर के विकास कार्यों को गति मिलेगी और नागरिक प्रशासन के सहयोगी बनेंगे।

### जोनवार कुर्की से वसूली का विवरण इस प्रकार है—

जोन-1 : 131 बकायादार — 52,53,148

जोन-2 : 43 बकायादार — 21,24,451

जोन-3 : 36 बकायादार — 21,96,341

जोन-4 : 58 बकायादार — 26,35,299

जोन-5 : 19 बकायादार — 6,17,995

# नजूल भूमि पर कब्जा, किराया वसूली का खेल, राजस्व रिपोर्ट में खुलासा- फिर भी कार्रवाई क्यों पड़ी ठंडी?

*नरेन्द्र डाकलिया / राजनांदगांव*

वार्ड क्रमांक 26, सत्यनारायण धमर्शाला की गली में छत्तीसगढ़ शासन की नजूल भूमि पर अवैध कब्जे और दुकानों के निर्माण का मामला अब प्रशासन की कायर्शैली पर बड़ा सवाल बन चुका है। शिकायत, जांच और स्पष्ट रिपोर्ट के बावजूद कार्रवाई आगे क्यों नहीं बढ़ी — यही अब सबसे बड़ा प्रश्न है।

### क्या था आरोप?

पूर्व पार्षद जितेन्द्र शर्मा, पूर्व पार्षद राधा अशोक खंडेलवाल और समाजसेवी राजकुमार गुप्ता ने लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया कि शासन की नजूल भूमि पर अवैध दुकानें बनाई गईं। किसी अनाधिकृत समिति द्वारा इनसे किराया वसूला जा रहा है। शासन को राजस्व हानि हो रही है।

### रिपोर्ट ने खोली परतें

20 अगस्त 2025 की राजस्व निरीक्षक रिपोर्ट में साफ उल्लेख है: शीट क्रमांक 47 D, भूखंड क्रमांक 111, कुल 448 वगर्मीटर भूमि छत्तीसगढ़ शासन की नजूल (खुली) भूमि है। इसी भूमि में से 18.13 वर्गमीटर पर मकान बनाकर पार्षद कार्यालय संचालित। 17.50 वगर्मीटर पर मधुर कुरियर सर्विस। 13.80 एवं 22.77 वर्गमीटर क्षेत्र में कृपा प्रॉपर्टी डीलर का संचालन। 7.00 वगर्मीटर पर हनुमान जी के नाम से निर्माण। रिपोर्ट में स्पष्ट उल्लेख है कि इन निर्माणों के संबंध में कोई वैध अनुमति या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं।

### बड़ा सवाल — अब तक कार्रवाई क्यों नहीं?

जब राजस्व रिपोर्ट में अवैध निर्माण प्रमाणित है तो बेदखली की कार्रवाई क्यों नहीं? किराया वसूली की जांच क्यों नहीं हुई? तहसीलदार ने उच्च अधिकारियों को पूर्ण प्रतिवेदन क्यों नहीं भेजा? क्या फाइलों में मामला दबाया जा रहा है?

### प्रशासन मौन, जनता में रोष

सूत्र बताते हैं कि मामला महीनों से लंबित है। यदि यह भूमि शासन की है, तो फिर निजी उपयोग और किराया वसूली कैसे? क्या यह संरक्षण प्राप्त कब्जा है? या फिर राजनीतिक दबाव? अब मांग क्या? अवैध कब्जा तत्काल हटाया जाए। किराया वसूली की आर्थिक जांच हो। दोषियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज हो। पूरे मामले की उच्च स्तरीय स्वतंत्र जांच की मांग उठी रही है। शासन की भूमि पर कब्जा कोई छोटी बात नहीं। रिपोर्ट में सच्चाई सामने आने के बाद भी यदि कार्रवाई नहीं होती, तो सवाल केवल कब्जाधारियों पर नहीं — बल्कि व्यवस्था पर भी उठेंगे। अब प्रशासन बताए — कानून बड़ा है या कब्जा?

## योजना के नाम पर बिचौलियों की सक्रियता बढ़ी

# पीएम आवास योजना के नाम पर शहर में वसूली? निगम की चेतावनी ने खोली पोल

### आम नागरिकों को फोन कर 2 हजार से 5 हजार रुपये तक की जा रही है मांग

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

शहर में प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर फर्जी कॉल और वसूली का बड़ा खेल सामने आ रहा है। नगर निगम द्वारा जारी आधिकारिक अपील से साफ संकेत मिल रहे हैं कि योजना के नाम पर बिचौलियों की सक्रियता बढ़ गई है और आम नागरिकों को फोन कर 2 हजार से 5 हजार रुपये तक की मांग की जा रही है।

निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत किसी भी प्रकार की राशि सीधे हितग्राही के आधार-लिंक खाते में चार किस्तों में हस्तांतरित की जाती है। योजना के अंतर्गत 2 लाख 50 हजार रुपये की राशि चरणबद्ध स्वीकृति के बाद सीधे लाभार्थी को मिलती है। किसी भी प्रकार का नकद भुगतान या क्यूआर कोड पर राशि भेजने की प्रक्रिया पूरी तरह फर्जी है।

### क्या है पूरा मामला?

निगम को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि: मोबाइल कॉल कर व्यक्तिगत नाम लेकर संपर्क किया जा रहा है आवास स्वीकृति का झांसा दिया जा रहा है 2 से 5 हजार रुपये प्रोसेसिंग या फाइनल स्वीकृति के नाम पर मांगे जा रहे हैं। क्यूआर कोड या निजी खाते में पैसे ट्रांसफर करने को कहा जा रहा है। निगम ने साफ कहा है कि इन कॉल का न तो नगरीय प्रशासन विभाग से कोई संबंध है और न ही आवास मंत्रालय से। मोर आवास मोर चिन्हारी योजना में भी गड़बड़ी की आशंका, मोर आवास मोर चिन्हारी के तहत रेवाडीह, पेंडी, लखोली और मोहारा क्षेत्रों में आवास बनाए गए हैं। अब तक लगभग 650 परिवारों को नियमानुसार आवंटन किया जा चुका है। लेकिन आधिकारिक बयान में यह स्वीकार किया गया कि कतिपय लोग आवास दिलाने के नाम पर पैसा लेकर प्रलोभन दे रहे हैं। यानी यह साफ संकेत है कि शहर में संगठित तरीके से वसूली चल रही है और कई लोग इसका शिकार हो चुके हैं।

### बड़ा सवाल

क्या यह केवल फर्जी कॉल गिरोह का मामला है? या योजना से जुड़ी आंतरिक जानकारी लीक हो रही है? लोगों के नाम और मोबाइल नंबर कॉल करने वालों तक कैसे पहुंच रहे हैं? अगर फर्जी कॉल करने वालों के पास लाभार्थियों की सूची है, तो यह गंभीर डेटा सुरक्षा का मामला भी बनता है।

### निगम आयुक्त ने की अपील

आयुक्त ने नागरिकों से कहा है: किसी भी प्रलोभन में न आएं, पैसा किसी निजी खाते या क्यूआर कोड में न भेजें, ऐसे नंबर तुरंत ब्लॉक करें, नगर निगम कार्यालय या संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराएं निगम की चेतावनी खुद यह साबित करती है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर शहर में वसूली की गतिविधियां चल रही हैं। प्रशासन ने अपील तो जारी कर दी है, लेकिन अब आवश्यकता है:बिचौलियों पर कठोर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की।

प्रधानमंत्री आवास जैसी गरीब हितैषी योजना के नाम पर यदि वसूली हो रही है, तो यह केवल धोखाधड़ी नहीं बल्कि गरीब परिवारों के सपनों से खिलवाड़ है।

# होली पर हुड़दंगियों की खैर नहीं विधायक रिकेश का बड़ा ऐलान

## असामाजिक तत्वों की सूचना देने पर मिलेगा 21,000 का इनाम

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

वैशाली नगर विधानसभा के विधायक रिकेश सेन ने आगामी होली पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और मर्यादित बनाने के लिए एक कड़ा रुख अपनाया है। विधायक ने स्पष्ट किया है कि त्योहार की आड़ में हुड़दंग करने वाले और कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

जनता के नाम जारी अपने संदेश में विधायक रिकेश सेन ने कहा कि होली खुशियों और भाईचारे का प्रतीक है, जिसे धूमधाम से मनाया जाना चाहिए। लेकिन अक्सर देखा गया है कि कुछ लोग इस पावन पर्व पर हुड़दंग और अश्लीलता फैलाकर माहौल खराब करते हैं। इसे रोकने के लिए विधायक ने "हुड़दंग मुक्त वैशाली नगर" अभियान के तहत इनाम की घोषणा की है।

विधायक ने विधानसभा क्षेत्र की जनता से अपील की है कि यदि होली के दौरान निम्नलिखित गतिविधियां दिखें, तो तत्काल फोटो या वीडियो खींचकर उनके व्हाट्सएप नंबर पर भेजें। **ट्रिपल राइडिंग और बिना कपड़ों के घूमना** – यदि किसी वार्ड में एक मोटरसाइकिल पर तीन लड़के, बिना हेलमेट और बिना कपड़ों (बनियान या अर्धनग्न अवस्था) के हुड़दंग करते दिखें। **हथियार लहराना** – यदि कोई भी व्यक्ति मोहल्ले में हथियार लेकर घूमता या डराता-धमकाता नजर आए। **अश्लीलता और मारपीट** – गाड़ियों में अर्धनग्न होकर घूमना, सड़क पर बदमाशी करना या लड़ाई-झगड़ा कर माहौल खराब करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। **पुरस्कार की शर्त** – सूचना देने वाले को गाड़ी का नंबर, फोटो और वीडियो साक्ष्य के रूप में व्हाट्सएप करना होगा। सही सूचना पाए जाने पर विधायक द्वारा 21,000 रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी।

**"पुलिस के साथ विधायक भी रहेगा एक्टिव मोड पर"** : विधायक रिकेश सेन ने कहा कि मेरा मकसद खुद त्योहार मनाना नहीं, बल्कि आपके त्योहार को सफल और सुरक्षित बनाना है। होली के दिन मैं खुद पूरी तरह एक्टिव मोड पर रहूंगा। यदि पुलिस मौके पर तुरंत नहीं भी पहुंच पाई, तो आपके द्वारा भेजे गए वीडियो और फोटो के आधार पर अगले दिन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा और सड़क पर उनका जुलूस निकाल कर उनकी आपराधिक प्रवृत्ति को उजागर किया जाएगा।

श्री सेन ने अपील की है कि माता-बहनों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपने घर के आंगन या छत पर सुरक्षित होली मनाएं। जिला प्रशासन, पुलिस और राज्य शासन के नियमों का पालन करें। किसी भी महिला या बहन के साथ बदतमीजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विधायक रिकेश ने सभी को होली की अग्रिम बधाई दी है।

# राजस्व वृद्धि के लिए नई पहल, अब डोर-टू-डोर मैपिंग मशीन से होगी संपत्तिकर की गणना

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

नगर पालिक निगम भिलाई के राजस्व आय में वृद्धि करने और कर संग्रहण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आज निगम सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता एवं अपर आयुक्त राजेन्द्र कुमार दोहरे की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई।

निगम क्षेत्र के अंतर्गत बकाया संपत्तिकर की राशि को शीघ्र वसूल करने के लिए रणनीति तैयार की गई। राजस्व आय बढ़ाने के लिए अब पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ नई तकनीकों का समावेश किया जाएगा। निगम द्वारा अधिकृत एजेंसी और निगम के कमर्चारी घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेंगे।

सर्वे के दौरान नई मैपिंग मशीन का उपयोग किया जाएगा। इस मशीन के माध्यम से किसी भी भवन या भूमि के वास्तविक क्षेत्रफल का सटीक आंकड़ा प्राप्त किया जा सकेगा। इस तकनीक की सहायता से भवन एवं भूमि स्वामियों द्वारा जमा किए गए 'स्व-विवरणी' फॉर्म की सत्यता की जांच की जाएगी। यदि गणना में अंतर पाया जाता है, तो नियमानुसार सुधार कर राजस्व की वसूली की जाएगी।

बैठक के दौरान आयुक्त महोदय ने स्पष्ट किया कि राजस्व वृद्धि निगम के विकास कार्यों के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और एजेंसी को पारदर्शिता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में निगम के वरिष्ठ राजस्व अधिकारी एवं अधिकृत एजेंसी के प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

**विशेष प्रबंध**

## यात्रियों को कन्फर्म बर्थ और सुगम यात्रा की मिलेगी सुविधा

# दपूम रेलवे ने होली पर चलाएगी 70 फेरों की स्पेशल ट्रेनें

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

आगामी होली त्यौहार के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे द्वारा देशभर में व्यापक स्तर पर विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। इसी क्रम में भारतीय रेलवे ने सभी जोनों में कुल 1,244 होली स्पेशल ट्रेन ट्रिप्स का परिचालन प्रारंभ किया है, जिससे यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा सुनिश्चित की जा सके।

इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा अपने क्षेत्र से 14 फेरों की होली स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा, जबकि इसके अतिरिक्त 56 ट्रिप्स की होली स्पेशल ट्रेनें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से होकर गुजरेंगी। इस प्रकार होली पर्व के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत कुल 70 होली स्पेशल ट्रेन ट्रिप्स यात्रियों की सुविधा के लिए उपलब्ध रहेंगी।

दुर्ग, बिलासपुर एवं गोंदिया जैसे प्रमुख स्टेशनों से इन होली स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। इन ट्रेनों के माध्यम से दिल्ली, पटना, छपरा, मधुबनी, हजरत निजामुद्दीन, चर्लपल्ली सहित देश के विभिन्न महत्वपूर्ण गंतव्यों के लिए अतिरिक्त यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इन विशेष ट्रेनों का उद्देश्य होली के अवसर पर अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करना तथा यात्रियों को अधिक से अधिक कन्फर्म बर्थ के साथ सहज यात्रा प्रदान करना है।

### दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से संचालित होली स्पेशल ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है :-

**गाड़ी संख्या 08751/08752 दुर्ग-हजरत निजामुद्दीन-दुर्ग** होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 02-02 फेरों के लिए किया जाएगा। यह ट्रेन दुर्ग से 01 व 02 मार्च (रविवार व सोमवार) को तथा वापसी में निजामुद्दीन से 02 व 03 मार्च (सोमवार व मंगलवार) को व्हाया न्यू कटनी जंक्शन होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव रायपुर, उसलापुर, पेंड्रा रोड, अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया स्टेशनों पर दिया गया है।

**गाड़ी संख्या 08863/08864 गोंदिया-छपरा-गोंदिया** होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 01-01 फेरों के लिए किया जाएगा। यह ट्रेन गोंदिया से 01 मार्च (रविवार) को तथा वापसी में छपरा से 03 मार्च (मंगलवार) को व्हाया न्यू कटनी जंक्शन होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, उसलापुर, पेंड्रा रोड, अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया स्टेशनों पर दिया गया है।

**गाड़ी संख्या 08865/08866 गोंदिया-छपरा-गोंदिया** होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 01-01 फेरों के लिए किया जाएगा। यह ट्रेन गोंदिया से 02 मार्च (सोमवार) को तथा वापसी में छपरा से 04 मार्च (बुधवार) को व्हाया न्यू कटनी जंक्शन होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, उसलापुर, पेंड्रा रोड, अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया स्टेशनों पर दिया गया है।

**गाड़ी संख्या 08753/08754 दुर्ग-मधुबनी-दुर्ग** होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 01-01 फेरों के लिए किया जाएगा। यह ट्रेन दुर्ग से 01 मार्च (रविवार) को तथा वापसी में मधुबनी से 02 मार्च (सोमवार) को व्हाया झारसुगुड़ा होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव रायपुर, बिलासपुर, चाम्पा एवं रायगढ़ स्टेशनों पर दिया गया है।

**गाड़ी संख्या 08861/08862 गोंदिया-पटना-गोंदिया** होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 01-01 फेरों के लिए किया जाएगा। यह ट्रेन गोंदिया से 02 मार्च (सोमवार) को तथा वापसी में पटना से 03 मार्च (मंगलवार) को व्हाया झारसुगुड़ा होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, चाम्पा एवं रायगढ़ स्टेशनों पर दिया गया है।

**गाड़ी संख्या 08263/08264 बिलासपुर-चर्लपल्ली-बिलासपुर** होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 01-01 फेरों के लिए किया जाएगा। यह ट्रेन बिलासपुर से 27 फरवरी (शुक्रवार) को तथा वापसी में चर्लपल्ली से 28 फरवरी (शनिवार) को व्हाया बल्हारशाह होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव भाटापारा, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, गोंदिया, वड़सा एवं चांदा फोर्ट स्टेशनों पर दिया गया है।

होली त्यौहार के अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रशासन द्वारा की गई इन व्यवस्थाओं से बड़ी संख्या में यात्रियों को लाभ मिलेगा तथा पर्व के दौरान उनकी यात्रा और अधिक सुविधाजनक हो सकेगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपने यात्रियों की सुरक्षित, सुखद एवं मंगलमय यात्रा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

# कांग्रेस के किया केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह का पुतला दहन

*नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़*

महिला कांग्रेस के व्दारा केन्द्रीय मंत्री का पुतला दहन किया गया। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अल्का लांबा एवं महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष फूलों देवी नेताम के आदेशानुसार खैरागढ़ छुईखदान-गंडई जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष आरती रिंकू महोबिया के नेतृत्व में ऐपस्टीन फाइल्स में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का नाम होने को लेकर जिला खैरागढ़ छुईखदान गंडाई में धरना प्रदर्शन और पुतला दहन किया गया।

जिसमें मुख्यरूप से पूर्व विधायक गिरवर जंघेल, नगर पंचायत अध्यक्ष लाल टकेश्वर शाह खुशरो, ब्लॉक अध्यक्ष मन्नू चंदेल , ब्लॉक अध्यक्ष महिला कांग्रेस गंडई हेमलता ठाकुर, ब्लॉक अध्यक्ष छुईखदान कविता जंघेल, ब्लॉक अध्यक्ष खैरागढ़ अनुभा चंद्राकर जनपद सदस्य नीना ताम्रकार विनोद ताम्रकार, रमेश साहू, चेतन देवांगन ,अमित टंडन, दिलीप ओंगरे,रुखमनी देवांगन, विनीता जंघेल, उषा रात्रे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसियों की उपस्थिति मे पुतला दहन का कार्यक्रम तिरंगा चौक गंडाई में किया गया। जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष आरती रिंकू महोबिया ने आभार व्यक्त किया।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।